संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 298
पृष्ठ 8
रविवार
20 जुलाई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बच्चे की दूध की बोतल ऐसे करें...

विचार- नरेंद्र मोदी सरकार और चुनाव...

खेल- गारफील्ड सोबर्स की सूची में शामिल...

बोले वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल

भारत-ईएफटीए व्यापार समझौता एक अक्टूबर से होगा लागू

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौता एक अक्तूबर से लागू होगा। दोनों पक्षों ने 10 मार्च, 2024 को व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत, भारत को समूह से 15 वर्षों में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है, जबकि स्विस घड़ियों, चॉकलेट और कटे और पॉलिश किए गए हीरों जैसे कई उत्पादों को कम या शून्य शुल्क पर अनुमति दी गई है।

गोयल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत–ईएफटीए टीईपीए 1 अक्टूबर से प्रभावी होगा। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA) के सदस्य आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं। समूह ने 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है–समझौते के कार्यान्वयन के बाद 10 वर्षों के भीतर 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर तथा अगले पांच वर्षों में 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर– जिससे भारत में 1 मिलियन प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह भारत द्वारा अब तक हस्ताक्षरित किसी भी व्यापार समझौते में सहमत अपनी तरह की पहली प्रतिज्ञा है।

यह प्रतिबद्धता इस समझौते का मुख्य तत्व है, जिसे पूरा होने में लगभग 16 वर्ष लगे, जिसके बदले में भारत ने EFTA देशों से आने वाले कई उत्पादों के लिए अपने बाजार खोल दिए। इस समूह में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार स्विट्जरलैंड है। शेष तीन देशों के साथ भारत का व्यापार कम है। इस समझौते में भारत अपनी टैरिफ लाइनों या उत्पाद श्रेणियों का 82.7 प्रतिशत हिस्सा देने की पेशकश कर रहा है, जो ईएफटीए निर्यात का 95.3 प्रतिशत है, जिसमें से 80 प्रतिशत से अधिक आयात सोना है। घरेलू ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले स्विस उत्पाद, जैसे घड़ियां, चॉकलेट, बिस्कुट और घड़ियां, कम कीमत पर उपलब्ध हो जाएंगे, क्योंकि भारत व्यापार समझौते के तहत इन वस्तुओं पर सीमा शुल्क को 10 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर देगा। सेवा क्षेत्र में, वाणिज्य मंत्रालय ने पहले कहा था कि भारत ने ईएफटीए को 105 उप–क्षेत्रों की पेशकश की है, जैसे लेखांकन, व्यावसायिक सेवाएं, कंप्यूटर सेवाएं, वितरण और स्वास्थ्य। दूसरी ओर, देश ने स्विट्जरलैंड से 128 उप–क्षेत्रों में, नॉर्वे से 114, लिकटेंस्टीन से 107 और आइसलैंड से 110 उप–क्षेत्रों में प्रतिबद्धताएं हासिल की हैं। जिन क्षेत्रों में भारतीय सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा, उनमें कानूनी, दृश्य–श्रव्य, अनुसंधान एवं विकास, कंप्यूटर, लेखांकन और लेखा परीक्षा शामिल हैं। इसके अलावा, यह समझौता घरेलू निर्यातकों को यूरोपीय संघ (ईयू) के बाजारों में एकीकृत होने का अवसर प्रदान करेगा। स्विट्जरलैंड के वैश्विक सेवा निर्यात का 40 प्रतिशत से अधिक यूरोपीय संघ को होता है। भारतीय कंपनियाँ यूरोपीय संघ तक अपनी पहुँच बढ़ाने के लिए स्विट्जरलैंड को एक आधार के रूप में देख सकती हैं। 2024– 25 में भारत–ईएफटीए द्विपक्षीय व्यापार 24.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

पंजाब के 22 नशामुक्ति केंद्रों की आड़ में बीएनएक्स ड्रग्स की खरीद, इससे भारी मात्रा में कमाई अपराध की आय

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), जालंधर ने पंजाब में 22 निजी नशा मुक्ति केंद्रों द्वारा बीएनएक्स (ब्यूप्रेनोर्फिनध्नलाक्सोन) दवाओं की अवैध बिक्री से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत चंडीगढ़, लुधियाना, बरनाला और मुंबई में चार स्थानों पर 18 जुलाई को तलाशी अभियान चलाया। इन दवाओं का उपयोग नशा करने वालों के पुनर्वास के लिए किया जाता है, लेकिन इनका दुरुपयोग मादक द्रव्यों के सेवन के लिए भी किया जाता है। पंजाब के 22 नशामुक्ति केंद्रों की आड़ में बीएनएक्स ड्रग्स की खरीद कर उसे अवैध रूप से बेचकर भारी मात्रा में श्अपराध की आयश हासिल की गई। ईडी के अनुसार, तलाशी अभियान में अमित बंसल, रुसन फार्मा लिमिटेड और ड्रग इंस्पेक्टर रूप प्रीत कौर से जुड़े कार्यालय और आवासीय परिसर शामिल थे। ईडी ने एनडीपीएस अधिनियम 1985 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धाराओं के तहत पंजाब पुलिस द्वारा दर्ज विभिन्न एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग जांच शुरू की थी। ईडी की जांच से पता चला है कि अमित बंसल अपने 22 नशामुक्ति केंद्रों की आड़ में बीएनएक्स ड्रग्स खरीद रहा था। इसके बाद वह बीएनएक्स ड्रग्स को अवैध रूप से बेच रहा था। इसके चलते उसे भारी मात्रा में अपराध से आय (पीओसी) प्राप्त हो रही थी। जांच में सामने आया है कि अवैध बिक्री के कारण हुई नशीली दवाओं की कमी को कथित तौर पर खरीद रिटर्न के रूप में दिखाया गया था। इस प्रकार प्राप्त पीओसी को बैंक खातों के माध्यम से कई अचल संपत्तियों की खरीद में इस्तेमाल किया गया। ईडी ने तलाशी के दौरान, दवा स्टॉक रजिस्टर, कई संपत्ति खरीद समझौते और अन्य प्रासंगिक साक्ष्य सहित कई आपत्तिजनक रिकॉर्ड बरामद किए गए हैं।

बैंक का संचालक एक ही परिवार, ग्राहकों से धोखा जमा खातों पर न ब्याज दिया और न मूलधन लौटा, हड़प ली राशि

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), बेंगलुरु जोनल कार्यालय ने 17 जुलाई को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत बंगलूरू और रामनगर जिलों में 15 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। इसमें शुश्रुति सौहार्द सहकारी बैंक नियमिथा का कार्यालय और इसके अध्यक्ष एन. श्रीनिवास मूर्ति व अन्य आरोपी या संदिग्ध व्यक्तियों के आवासीय परिसर शामिल हैं। तलाशी की कार्यवाही के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज, धन शोधन के अपराध से प्राप्त आय से अर्जित संपत्तियों का विवरण एकत्र किया गया है। ये एक ऐसा बैंक था, जिसका संचालक एक ही परिवार के हाथ में था। ग्राहकों के साथ धोखा किया गया। जमा खातों पर ग्राहकों को न तो ब्याज दिया गया और न ही उनका मूलधन लौटाया। राशि हड़प ली गई। ईडी ने कर्नाटक पुलिस द्वारा दर्ज विभिन्न एफआईआर के आधार पर धन शोधन मामले की जांच शुरू की थी। आरोप लगाया गया था कि बैंक ने अपने ग्राहकों को उनके सावधि जमा या बैंक में रखे बचत खातों पर न तो ब्याज दिया और न ही मूलधन वापस किया। यह भी आरोप लगाया गया कि सुश्रुति सौहार्द सहकारी बैंक के अध्यक्ष और निदेशकों ने बैंक के कर्मचारियों के साथ मिलीभगत करके बैंक के ग्राहकों द्वारा जमा की गई राशि को हड़प लिया और उनके साथ धोखाधड़ी की।

मल्लिकार्जुन खरगे का पीएम मोदी पर हमला

मैसूर,एजेंसी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने 42 देशों का दौरा किया, लेकिन मणिपुर नहीं पहुंचे। खरगे ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ ईडी की कार्रवाई को लेकर भी केंद्र सरकार को घेरा। मैसूर में एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि देश की जनता भाजपा और आरएसएस को संविधान बदलने की इजाजत नहीं देगी।

किरेन रिजिजू बोले-

मैं खुद अल्पसंख्यक, पाकिस्तान या बांग्लादेश में होता तो शरणार्थी होता, भारत सबसे सुरक्षित

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भारत में अल्पसंख्यकों की स्थिति और उनकी सुरक्षा की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और यहां अल्पसंख्यक पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि मैं खुद एक अल्पसंख्यक हूं। अगर हम पाकिस्तान या बांग्लादेश में होते, तो शायद आज शरणार्थी होते। लेकिन भारत में हर अल्पसंख्यक और आदिवासी अपने ही देश में सुरक्षित है, क्योंकि यहां की बहुसंख्यक हिंदू आबादी स्वभाव से सहिष्णु और धर्मनिरपेक्ष है।

एक न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान रिजिजू ने कहा कि भारत में अल्पसंख्यकों को जो स्वतंत्रता और सुरक्षा मिल रही है, वह यहां की बहुसंख्यक आबादी के कारण है। उन्होंने कहा कि मैंने अब तक एक भी ऐसा मामला नहीं देखा जिसमें किसी अल्पसंख्यक ने यह कहा हो कि उसे भारत छोड़ना है क्योंकि उसे यहां कुछ नहीं मिल रहा। रिजिजू ने अपने बयान में कांग्रेस पर गलत प्रचार करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस समर्थित वामपंथी सोच वाले लोग यह लगातार प्रचार कर रहे हैं कि भारत में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहा है। रिजिजू ने कहा कि ऐसा नैरेटिव देश के लिए नुकसानदायक है। इसके साथ ही रिजिजू ने पूर्व मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी के भारत अल्पसंख्यकों के लिए स्वर्ग है वाले बयान पर कहा कि भारत एक कानून का पालन करने वाला, धर्मनिरपेक्ष और संविधान आधारित देश है, जहां बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक दोनों कानून की नजर में बराबर हैं।

रिजिजू ने कहा कि जो सुविधाएं बहुसंख्यक समुदाय को मिलती हैं, वे अल्पसंख्यकों को भी मिलती हैं, लेकिन कुछ योजनाएं ऐसी भी हैं जो केवल अल्पसंख्यकों के लिए होती हैं। उन्होंने बताया कि मंत्रालय की सभी योजनाएं पूरे देश में लागू होती हैं और छह मान्यता प्राप्त अल्पसंख्यक समुदायों के लिए विशेष सहायता भी दी जाती है। रिजिजू ने कहा कि चीन, म्यांमार, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान से लोग भारत में इसलिए आते हैं क्योंकि उन्हें भारत के संविधान और यहां के लोगों पर भरोसा है। वहीं रिजिजू के इस बयान पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने जबरदस्त पलटवार किया। उन्होंने कहा कि हम भारत के अल्पसंख्यक हैं, कोई राजा की प्रजा नहीं। हमारे अधिकार संविधान से मिलते हैं, ये कोई दान नहीं है। ओवैसी ने कहा कि हम डरकर भागने वालों में से नहीं हैं। हमने ब्रिटिश राज, बंटवारे, और गुजरात, दिल्ली, मोरादाबाद जैसे दंगों का सामना किया है, लेकिन कभी नहीं भागे। उन्होंने कहा कि हम अपने लोकतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई जारी रखेंगे। ओवैसी ने यह भी कहा कि भारत की तुलना पाकिस्तान या श्रीलंका जैसे विफल देशों से न करें। हमारा संविधान महान है और हम उसका सम्मान करते हैं। जय हिंद, जय संविधान!

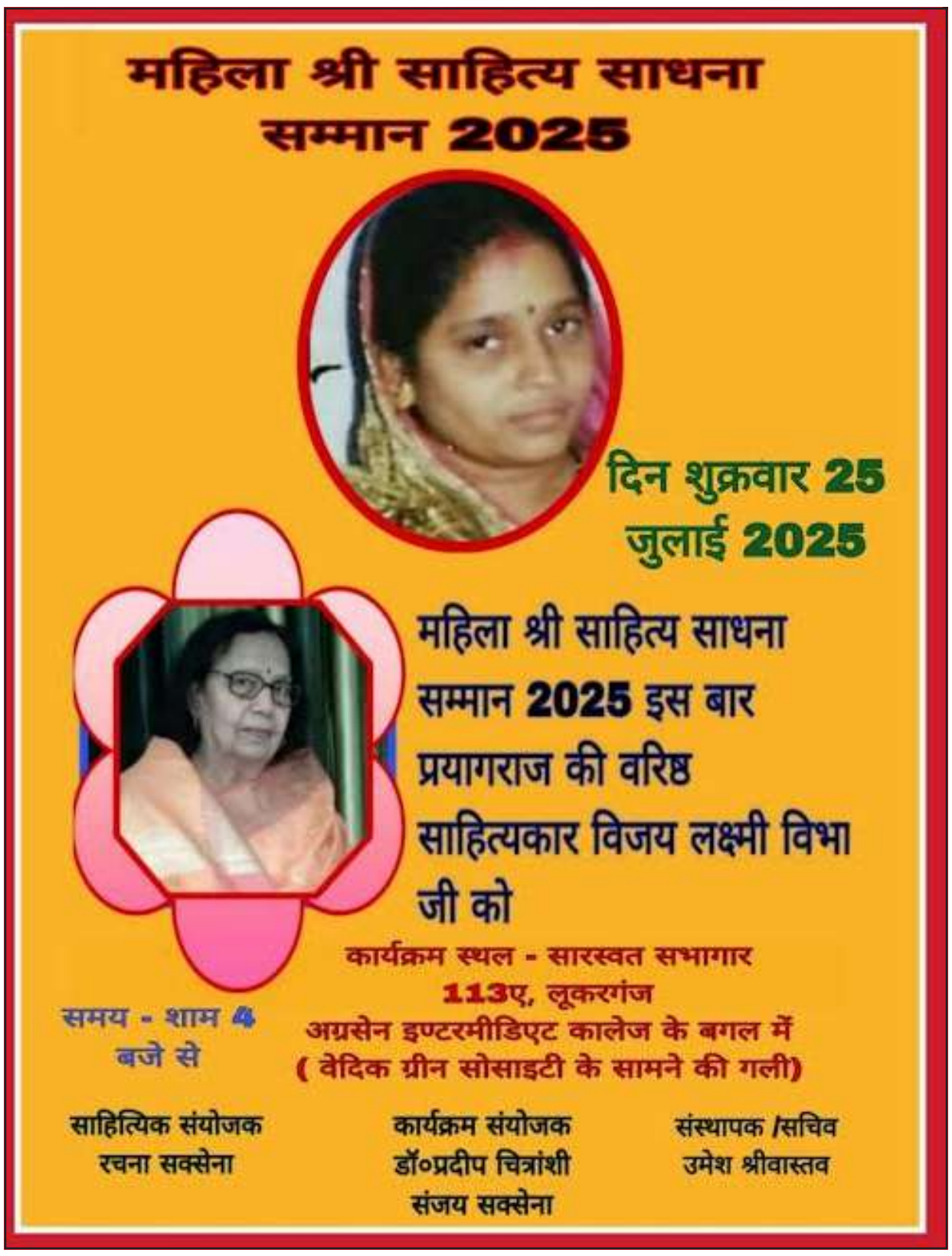

अहंकार और सीट बंटवारे में देरी चुनावों में हार के लिए जिम्मेदार-उद्धव ठाकरे

मुंबई,एजेंसी। मुंबई में होने वाले नगर निकाय चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों में गर्माहट तेज हो गई है। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाविकास अघाड़ी गठबधंन दलों की एकता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में सीट बंटवारे और उम्मीदवार तय करने में हुई देरी को लेकर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन पर सवाल उठाए हैं।

ठाकरे ने कहा कि लोकसभा चुनाव में अच्छे प्रदर्शन के बाद गठबंधन दलों में एकता कम और दलगत जीत की होड़ ज्यादा दिखने लगी, जिससे जनता में गलत संदेश गया और हार का कारण बना। उद्धव ठाकरे ने कहा कि विधानसभा चुनाव में सीटों को लेकर अंत तक खींचतान चलती रही। कई जगहों पर उम्मीदवार तय ही नहीं हो पाए। अगर ऐसी ही गलतियां होती रहीं तो फिर साथ रहने का क्या फायदा? ठाकरे ने बताया कि लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी को कुछ ऐसी सीटें गठबंधन सहयोगियों को देनी पड़ीं, जहां शिवसेना (यूबीटी) पहले कई बार जीत चुकी थी।

ठाकरे ने कहा कि अब वक्त है आत्ममंथन का, क्योंकि अगर गठबंधन में यही हाल रहा, तो जनता का भरोसा टूट जाएगा। ठाकरे का मानना है कि चुनाव के दौरान 'लड़की बहन योजना' जैसे वादों ने जनता को भ्रमित किया और एमवीए नुकसान में रहा। उन्होंने ईवीएम घोटाले, फर्जी वोटर लिस्ट और अचानक वोटर संख्या बढ़ने जैसे मुद्दों को लेकर भी चिंता जताई, लेकिन कहा कि सिर्फ बहाने नहीं बनाने चाहिए अपनी गलतियां भी माननी होंगी।

ममता बनर्जी का हमला, बोलीं-

असम में बांग्लाभाषियों को डराया जा रहा

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर असम की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। ममता ने आरोप लगाया है कि असम में बांग्ला बोलने वाले लोगों को धमकाया जा रहा है और उनकी मातृभाषा, धर्म और पहचान को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने इसे असंवैधानिक और भेदभावपूर्ण बताते हुए कहा कि भाजपा का यह रवैया देश को बांटने वाला है और इसकी अब हद हो चुकी है। शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में ममता बनर्जी ने कहा कि देश में बांग्ला दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है और असम में भी यह दूसरी सबसे आम भाषा है। ऐसे में जिन नागरिकों की मातृभाषा बांग्ला है और जो सभी धर्मों और भाषाओं का सम्मान करते हुए शांति से रहना चाहते हैं, उन्हें धमकाया जाना संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ है।

ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार असम में भाषा और धार्मिक पहचान को राजनीतिक हथियार बना रही है।

उन्होंने कहा कि बंगाली भाषी लोगों को अवैध बांग्लादेशी या रोहिंग्या कहकर बदनाम किया जा रहा है, जिससे उन्हें सामाजिक रूप से अलग–थलग किया जा सके। ममता ने इसे विभाजन की राजनीति करार देते हुए कहा कि असम की जनता अब इस रवैये के खिलाफ खड़ी हो रही है।

महिला को घर में बंधक बनाकर 30 लाख की लूट, बहनोई समेत दो गिरफ्तार

प्रयागराज। कौंधियारा थाना क्षेत्र के जारी बाजार में महिला को घर में बंधक बनाकर करीब 30 लाख रुपये के गहनों और नकदी की लूट हुई। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि वारदात की साजिश पीड़िता के बहनोई विपिन केसरवानी ने रची थी।

कौंधियारा थाना क्षेत्र के जारी बाजार में महिला को घर में बंधक बनाकर करीब 30 लाख रुपये के गहनों और नकदी की लूट हुई। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि वारदात की साजिश पीड़िता के बहनोई विपिन केसरवानी ने रची थी। उसने अपने दोस्त अरुण के साथ मिलकर दो स्थानीय युवकों से लूट करवाई। पुलिस ने विपिन और अरुण को गिरफ्तार कर उनके पास से कुछ लूटे गए गहने बरामद कर लिए हैं। वारदात में शामिल दोनों लुटेरों की तलाश जारी है। घटना कौंधियारा थाना क्षेत्र के जारी बाजार की है। यहां के निवासी किराना व्यापारी राजकुमार के सरवानी की पत्नी राधा शुक्रवार को घर में अकेली थीं। उसी दौरान दो बदमाश घर में घुस आए। उन्होंने राधा को बंधक बनाकर कमरे में बंद कर दिया और अलमारी का ताला तोड़कर 25 तोला सोने के आभूषण और ढाई लाख रुपये नकद समेत करीब 30 लाख रुपये के सामान लूट ले गए। महिला की चीख–पुकार सुनकर एक ट्रॉली चालक ने उनके पति को सूचना दी। पुलिस ने तत्काल केस दर्ज कर छानबीन शुरू की। इस दौरान सनसनीखेज खुलासा हुआ। सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से दो संदिग्धों की पहचान कराई गई। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि जांच में यह सामने आया कि लूट की योजना राधा की बहन के पति विपिन केसरवानी, निवासी गन्ने ने रची थी। उसने अपने दोस्त अरुण के साथ मिलकर दो स्थानीय युवकों से लूट कराई। हाल ही में वह पत्नी के साथ राधा के घर आया था, तभी उसने घर में रखे कीमती सामान देखकर लूट की योजना बनाई। विपिन और अरुण को गिरफ्तार कर लिया गया है। लूट के कुछ गहने बरामद किए गए हैं। वारदात को अंजाम देने वाले दोनों लुटेरों की तलाश जारी है।

साइबर ठगी में RBI के नियम को कवच बनाएं, तलवार नहीं, गबन के रुपये ब्याज सहित दिलाने की मांग खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि साइबर ठगी के लिए ग्राहक की जिम्मेदारी साबित करना बैंक का दायित्व है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का यह नियम ग्राहक को साइबर ठगी से सुरक्षा तभी प्रदान कर सकता है जब वह इस नियम का प्रयोग कवच की तरह करे, तलवार की तरह नहीं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि साइबर ठगी के लिए ग्राहक की जिम्मेदारी साबित करना बैंक का दायित्व है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का यह नियम ग्राहक को साइबर ठगी से सुरक्षा तभी प्रदान कर सकता है जब वह इस नियम का प्रयोग कवच की तरह करे, तलवार की तरह नहीं। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ और न्यायमूर्ति पीके गिरी की खंडपीठ ने प्रयागराज निवासी सुरेश चंद्र नेगी और अन्य की याचिका खारिज कर दी। मामले के मुताबिक, याची पिता और पुत्र ने दावा किया कि उनके खातों से करीब 37 लाख 85 हजार रुपये गबन कर लिए गए। साइबर ठगी के जरिए पैसा एक तीसरे व्यक्ति के खाते में पहुंच गया। मामले में उन्होंने एफआईआर भी दर्ज कराई पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद उन्होंने कोर्ट से बैंक ऑफ बड़ौदा और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से रुपया ब्याज समेत वापस दिलाने की गुहार लगाई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि याचियों के खाते से हुए लेनदेन उनकी जानकारी में हुए थे। उन्होंने लाभार्थी को खुद अपने खाते से जोड़ा था। अगर ठगी हुई तो भी उन्होंने बैंक को तत्काल कोई जानकारी नहीं दी थी। ठगी की कहानी रचने के लिए पुलिस को भी देरी से सूचना दी। लिहाजा, याची के खाते में हुए लेनदेन के लिए वह खुद जिम्मेदार हैं। रिजर्व बैंक का सर्कुलर ग्राहकों का सुरक्षा कवच है लेकिन इसका दुरुपयोग करके गबन की गई राशि वसूलने का प्रयास नहीं किया जा सकता। यह सर्कुलर सुरक्षा कवच है, तलवार नहीं।

जिले की 193 सहकारी समितियों में से आठ पर यूरिया उपलब्ध नहीं

प्रयागराज। जिले की 193 साधन सहकारी समितियों में से आठ समितियों पर इस समय यूरिया उपलब्ध नहीं है। जिला कृषि अधिकारी केके सिंह ने कहा है कि जिले में यूरिया की कमी नहीं है। पर्याप्त मात्रा में स्टॉक मौजूद है। जिन आठ समितियों पर यूरिया नहीं है, वहां दो दिन के अंदर स्टॉक पहुंचा दिया जाएगा। शुक्रवार को संवाद की टीम ने तहसीलवार जिले की सभी साधन सहकारी समितियों पर यूरिया की उपलब्धता की पड़ताल की। इस दौरान जिले की 193 समितियों में से आठ पर यूरिया की उपलब्धता नहीं पाई गई। इनमें विकास खंड जसरा

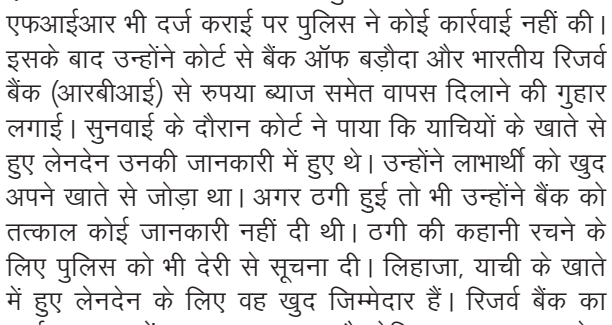

की छह समितियों में से जारी, चिल्ला गौहानी और लौटाढ़, मेजा की नौ समितियों में से लक्षनकापूरा, सुजनी समोधा, नेवढ़िया व पथरा और करछना की नौ समितियों में से पुरैना साधन सहकारी समिति पर यूरिया नहीं मली। वहीं अन्य 185 समितियों पर खाद उपलब्ध मिली। जिला कृषि अधिकारी केके सिंह ने बताया कि खरीफ की फसल के लिए उनके पास पर्याप्त मात्रा में यूरिया और डीएपी का स्टॉक है। कुछ समितियों पर अस्थायी रूप से यूरिया खत्म हो सकती है, जिसकी आपूर्ति प्रक्रिया चल रही है। किसानों को परेशान होने की जरूरत नहीं है। विभागीय अधिकारी व कर्मचारी फील्ड में जाकर सुनिश्चित करेंगे कि कहीं भी कृत्रिम कमी या कालाबाजारी न हो। साथ ही उन्होंने सभी सचिवों व उर्वरक विक्रेताओं को आदेशित करते हुए कहा कि पीओएस मशीन (प्वाइंट ऑफ सेल) के माध्यम से ही खाद की बिक्री की जाए। बिक्री में अनियमितता पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और समितियों से निर्धारित दर पर ही खाद प्राप्त करें। यदि कहीं किसी प्रकार की अनियमितता दिखे तो तत्काल कृषि विभाग को सूचना दें, उस पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

कीचड़ से पटी है सड़क, गलियों में जमा गंदा पानी

प्रयागराज। शहर के राजापुर इलाके में कीचड़, गोबर से पटी सड़क और बदहाल गलियां मुसीबत बनी हुई हैं। इससे हजारों की आबादी परेशान हैं। सड़क पर इतना कीचड़ जमा हो गया है कि कुछ कदम चलना भी मुश्किल है। लोग रास्ते पर ईंट डाल कर आ जा रहे हैं। बारिश होने से परेशानी और बढ़ गई है और लोग रास्ता बदल कर जाने को मजबूर हैं। गोबर, कीचड़ से पटी गलियों की हालत ऐसी है कि घर से निकला दूभर हो गया है। सीवर लाइनें चोक हैं जिसके कारण सीवर का पानी घरों में आ जा रहा है। आपके अपने अखबार 'हिन्दुस्तान ने 'बोले प्रयागराज के तहत राजापुर के बाशिंदों की परेशानी जाननी चाही तो लोग कीचड़ और जल भराव से काफी क्षुब्ध दिखे।

कहा कि लगातार शिकायत की जा रही है लेकिन निगम के जिम्मेदार शिकायतों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं जिससे परेशानी दूर नहीं हो पा रही है। राजापुर में हनुमान मंदिर चौराहे से ब्लड बैंक जाने वाले मार्ग पर कीचड़ होने से चलना मुश्किल हो गया है। रोड के करीब एक किमी हिस्से की हालत ऐसी हो गई है कि उस पर वाहन भी नहीं चल पा रहे। इस मार्ग से निकलने की कोशिश में वाहनों के पहिए कीचड़ में फंस जाते हैं। किसी दूसरे वाहन से खींचने पर ही फंसे वाहन बाहर निकल पाते हैं। दुपहिया वाहन तो इस मार्ग से निकल ही नहीं पाते। जोखिम उठाकर निकलने वालों के सामने हमेशा कीचड़ में गिरकर घायल होने का खतरा रहता है। लोग लगातार इंटरलाकिंग की मांग करते आ रहे हैं लेकिन मार्ग के काफी हिस्से में काम नहीं हो सका है। इस रास्ते का इस्तेमाल ओमनगर शांतिपुरम, ऊंचवा गढ़ी, मोदी चौराहा सहित करीब एक दर्जन बस्तियों के सैकड़ों लोग रोज आते जाते हैं जिन्हें मार्ग पर जमा कीचड़ के कारण आवागमन में काफी परेशानी हो रही है। हनुमान मंदिर से होकर जाने वाले मुख्य मार्ग पर भी जगह–जगह बड़े–बड़े गड्ढे हो गए हैं। कहीं सड़क खराब है तो कहीं पटरियां ही नहीं बनी हैं। इससे एक बड़ी आबादी के सामने आवागमन की समस्या बनी हुई है। बदहाल गलियों में भरा है गंदा पानी ओम नगर, शांतिपुरम और ऊंचवा गढ़ी

इलाकों की गलियां बदहाल होकर रह गई हैं। गलियों में गंदा पानी और कीचड़ भरा हुआ है। कई गलियों में तो इतना कीचड़ हो गया है कि उससे निकलना मुश्किल हो जाता है। गलियों में जिनके मकान हैं उनके सामने घर से निकलना मुश्किल हो गया है। दरवाजे पर पानी भरने से लोग घरों में कैद होकर रह जाते हैं। तेज बारिश होने पर पानी घरों में चला जा रहा है। इससे परेशानी और बढ़ गई है। जल निकासी के लिए पक्की नालियां न बनाए जाने को लोग समस्या की मूल वजह बता रहे हैं। लोग लम्बे समय से यहां मार्ग के दोनों तरफ पक्की नालियां बनाए जाने की मांग कर रहे हैं लेकिन नालियां नहीं बन सकी हैं जिससे पूरे साल जल निकासी की समस्या बनी रहती है। लोगों का कहना है कि अगर मार्ग के दोनों तरफ पक्की नालियां बना कर उन्हें नाले से जोड़ दिया जाए तो जल निकासी की समस्या का समाधान हो सकता है। चोक पड़ी है सीवर लाइनें, घरों में पहुंच रहा गंदा पानी राजापुर में सीवर लाइनें जगह–जगह चोक है जिससे समस्या पैदा हो रही है। इसके कारण चौम्बर ओवर फ्लो कर जा रहे हैं और सीवर का गंदा पानी चौम्बरों से घर में पहुंच रहा है। बारिश शुरू होते ही चोक सीवर लाइनों की समस्या और जटिल हो चुकी है। सीवर का गंदा पानी गलियों में जमा हो रहा है। गंदगी और बदबू के कारण लोगों का जीना मुहाल होता जा रहा है लेकिन शिकायत के बाद भी जिम्मेदार समस्या को नजर अंदाज करते आ रहे हैं। इससे लोगों की परेशानी दिनों दिन बढ़ती जा रही है। दूषित जलापूर्ति से मंडरा रहा बीमारी का खतरा राजापुर के शांतिपुरम, ओम नगर आदि मोहल्लों में दूषित पेयजल आपूर्ति बड़ी समस्या बनी हुई है। पेयजल के लिए बिछाई गई पाइप लाइनें जगह–जगह से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों में सीवर का दूषित पानी जाने के कारण समस्या पैदा हो रही है। सुबह जलापूर्ति चालू होने पर लोग काफी देर तक नलों को खुला छोड़ देते हैं तब कहीं जाकर इस्तेमाल के लायक पानी मिल पाता है। समय रहते समाधान न किया गया तो दूषित पानी के कारण यहां कभी भी बीमारियां फैल सकती हैं। समस्या पैदा कर रहीं बस्ती में डेयरियां राजापुर में बस्ती के बीच चल रहीं दूध की डेयरियां बड़ी समस्या बनी हुई है। छोटे हनुमान मंदिर के पास ही तीन डेयरियां चल रही हैं। पशु बाड़े में दो से ढाई सौ पशु हैं जिन्हें दूध दुहने के बाद खुला छोड़ दिया जाता है। जिससे मवेशी सड़कों पर गंदगी फैलाते हैं। सड़कों पर मवेशियों के घूमने के कारण आये दिन बाइक एऔर स्कूटी सवार इनकी चपेट में आकर चोटिल हो रहे हैं। पूरे इलाके में गोबर की दुर्गंध फैली रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर मवेशियों को बस्ती से हटाकर कैटल कॉलोनी में शिफ्ट करा दिया जाए तो काफी राहत मिल सकती है। शिकायतें –ब्लड बैंक की ओर जाने वाले करीब एक किमी मार्ग पर कीचड़ भरा है। –जल निकासी की व्यवस्था के अभाव में गलियों में गंदा पानी भरा है। –सीवर लाइनें चोक हैं, चौम्बर ओवरफ्लो कर रहे हैं, गंदा पानी घरों में पहुंच रहा है। –क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों के जरिए गंदा और बदबूदार पानी नलों से आ रहा है। –घनी आबादी के बीच डेयरियां चल रही हैं, मवेशी हर तरफ गंदगी फैला रहे हैं। सुझाव – –छोटे हनुमान मंदिर से ब्लड बैंक जाने वाले मार्ग की इंटरलाकिंग कराई जाए। –मार्ग के दोनों तरफ पक्की नालियों का निर्माण कराया जाए और नियमित सफाई हो। –चोक सीवर लाइनों और चौम्बरों की सफाई कराकर समस्या दूर की जाए। –पानी की क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों को चिह्नित कर उनकी मरम्मत कराई जाए। –बस्ती में चल रही डेयरियों को कैटल कॉलोनी में शिफ्ट कराया जाए। हमारी भी सुनें –– मंदिर से ब्लड बैंक जाने वाले रास्ते पर कीचड़ भरा हुआ है जिससे हमें आने जाने में काफी परेशानी होती है। मजबूरी में हम लोग दूसरे रास्ते से आ जा रहे हैं।– सचिन सड़क का कहीं अता पता ही नहीं है, बस कीचड़ ही दिखता है जिससे होकर हमें आना जाना पड़ रहा है। शिकायत करते हैं लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है।–अनिल केसरवानी सड़क की बदहाली से हम लोग परेशान हैं। हनुमान मंदिर से आगे का रास्ता कीचड़ के कारण बंद हो गया है। इस समस्या का समाधान होना जरूरी है।–रोहित राजापुर में जगह–जगह सड़क खराब है, पटरियां भी नहीं बनी हैं जिससे आने जाने में काफी परेशानी होती है। गलियों में कीचड़ और गंदा पानी भरा रहता है।–अनिल पांडेय सड़क पर मवेशी घूमते रहते हैं जिससे हम लोगों को काफी परेशानी होती है। जानवर सड़क पर गंदगी फैलाते हैं। इस समस्या का समाधान जरूरी है।–लक्ष्मण मार्ग की समस्या की बाबत कई बार नगर निगम के जिम्मेदारों और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की गई लेकिन इंटरलाकिंग न हो सकी जिससे समस्या बढ़ रही है।–केपी मिश्र घनी आबादी के बीच दूध की डेयरियां संचालित की जा रही है जिससे बस्ती के लोग परेशान हैं। मवेशी गंदगी फैलाते हैं और आवागमन में परेशानी खड़ी करते हैं।–लाल बहादुर जर्जर सड़क पर बड़े–बड़े गड्ढे हो गए हैं जिससे आने जाने में काफी दिक्कतें होती है। मार्ग साफ कर इंटरलाकिंग करा दी जाए तो हम लोगों को राहत मिले।–ललिता देवी सड़क पर कीचड़ और गलियों में गंदा पानी भरा रहता है जिससे आवागमन की समस्या बनी रहती है। इंटरलाकिंग हो जाए तो समस्या से राहत मिले।–उर्मिला देवी आवासीय बस्ती में चल रही डेयरी मुसीबत बन चुकी है, लोग इससे आजिज आ चुके हैं। लगातार शिकायतें की जा रही है लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है।–जीवनलाल मार्ग पर इतना कीचड़ जमा है कि न तो पैदल चल सकते हैं न ही बाइक निकल पाती है। आने जाने में परेशानी हो रही है। इस समस्या का समाधान जरूरी है।–सौरभ यादव जल निकासी की व्यवस्था न होने से गलियों में पानी भर गया है, लोग आ–जा नहीं पा रहे हैं। जल निकासी के लिए पक्की नालियां बन जाए तो राहत मिले।–निखिल जल निकासी के लिए पक्की नालियां न होने से गंदा पानी सड़क और गलियों में भर जाता है। मार्ग के दोनों तरफ पक्की नाली बन जाए तो समस्या न हो।–पंकज श्रीवास्तव पक्की नालियां न होने से बारिश का पानी नहीं निकल पाता और गलियों में भर जाता है। पक्की नालियां बन जाए तो जल निकासी की समस्या का समाधान हो।–सुमित मिश्र

हाईकोर्ट के पास बेकाबू कार ने चार को रौंदा, दो महिलाओं की मौत, दो की हालत गंभीर, कार पर पथराव

प्रयागराज। सिविल लाइंस में शुक्रवार देर रात एक बेकाबू वैगन–आर कार ने हाईकोर्ट फ्लाईओवर के नीचे फुटपाथ पर सो रहे चार लोगों को रौंद दिया। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई। एक वृद्धा की मौत मौके पर हो गई, जबकि दूसरी ने भोर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस गाड़ी नंबर के आधार पर कार चालक की तलाश में जुट गई है।

सिविल लाइंस में शुक्रवार देर रात एक बेकाबू वैगन–आर कार ने हाईकोर्ट फ्लाईओवर के नीचे फुटपाथ पर सो रहे चार लोगों को रौंद दिया। हादसे में एक वृद्धा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी वृद्धा ने अस्पताल में तोड़ दिया। दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद कार सवार चार युवक वाहन छोड़कर फरार हो गए। हादसा रात करीब 11रू30 बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अंबेडकर चौराहे की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक वैगन–आर कार जब न्याय मार्ग की ओर मुड़ी तो चालक नियंत्रण खो बैठा। इससे कार सीधे फुटपाथ पर सो रहे चार लोगों पर चढ़ गई।

चार में से दो वृद्ध महिलाओं और एक युवक को कुचलते हुए कार निकल गई, जबकि लगभग 60 वर्षीय वृद्धा कार के नीचे फंस गई और काफी दूर तक घिसटती चली गई। इसके बाद कार दीवार से टकरा गई। शोर सुनकर पहुंचे लोगों ने कार के नीचे फंसी महिला को बाहर

निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

सिर, हाथ और पैर में आईं चोटें

हादसे में घायल बॉबी (27) निवासी कौशाम्बी ने बताया कि हादसे में श्रीदेवी (65) निवासी मिश्रान गली, फैजाबाद और गुलाब कली (65) निवासी गौरा कला, कौंधियारा भी घायल हो गईं। श्रीदेवी के सिर में गंभीर चोटें हैं और उनका दाहिना पैर टूट गया है। गुलाब कली के दाहिने हाथ में फ्रैक्चर हो गया है। बॉबी ने बताया कि उसके हाथ में भी चोट आई है। सभी मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं और रोज की तरह फुटपाथ पर सो रहे थे। मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। उधर, भोर में करीब पांच बजे गुलाब कली की भी मौत हो गई।

भीड़ का आक्रोश, कार पर पथराव

घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। गुस्साए लोगों ने ईंट–पत्थरों से कार में जमकर तोड़फोड़ की। एंबुलेंस देरी से पहुंचने पर लोगों में नाराजगी दिखी। पुलिस ने पहुंचकर हालात संभाले और घायलों को अस्पताल भिजवाया। सिविल लाइंस थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि कार सवार युवकों की पहचान की जा रही है। वाहन को कब्जे में लेकर मृतका का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

फुटपाथ पर गुमनाम मौत... आरोपी कौन

फुटपाथ ही उसका बिस्तर था और आसमान उसकी छत पर किस्मत को शायद यह भी मंजूर नहीं था। तभी तो देर रात काल बनकर कार ने उसे हमेशा के लिए सुला दिया। हादसे में बुजुर्ग महिला की गुमनाम मौत के बाद आरोपी कार सवारों ने भी उसे अस्पताल पहुंचाना मुनासिब नहीं समझा और फरार हो गए। ऐसे में मौके पर जुटी भीड़ में लोगों की जुबां पर यही सवाल था कि न्यायालय के समक्ष हुए इस हादसे में क्या मृतक और घायलों को न्याय मिलेगा।

कैंट क्षेत्र के न्याय विधि मंदिर फ्लाईओवर के नीचे शुक्रवार रात करीब 11.15 बजे तीनवृद्ध महिलाएं व उनके साथ अन्य पुरुष व बच्चे सोए हुए थे। जिंदगी में उनका सहारा बस एक फटी चादर, थैली और फ्लाईओवर के नीचे का वो कोना था, जहां वो हर रात चैन की झपकी लेते थे। दिनभर मेहनत मजदूरी, भूख, थकान और जीवन की ठोकरों के बीच इन्हें शायद न्यायालय परिसर का कोना ही थोड़ा सुरक्षित लगता था।

दिनभर की थकान मिटाने के लिए फुटपाथ को बिस्तर और आसमान को चादर बनाकर अभी सोए ही थे कि बेकाबू कार मौत बनकर आई और एक के बाद एक चार लोगों को रौंद डाला। बुजुर्ग महिला मौके पर ही हमेशा के लिए खामोश हो गई, जबकि तीन अन्य को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। मृतक और घायल महिलाओं के पास न कोई पहचान पत्र था, न परिवार का कोई सदस्य जो अस्पताल आकर उनका हाथ थामे। वे कौन थीं? कहां से आई थीं? शायद यह कोई जानेगा भी नहीं। हादसे के बाद मौके पर एक सवाल और था, क्या सड़क किनारे सोना गुनाह था?

यह घटना सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि हमारे समाज की संवेदनहीनता की तस्वीर है। जब बुजुर्गों की जिंदगी फुटपाथ के हवाले हो जाए तो यह शासन–प्रशासन ही नहीं, पूरे समाज की भी विफलता है। वृद्धा हमेशा के गुमनामी में खो गई लेकिन उसकी मौत हमें आईना दिखा गई कि जिंदगी की बड़ी त्रासदी शायद गुमनाम मर जाना है।

पांच किमी वॉक रेस की विजेता रेशमा को गृहमंत्री ने किया सम्मानित

प्रयागराज। 27 जून से सात जुलाई तक अमेरिका के अलाबामा में आयोजित वर्ल्ड पुलिस फायर गेम्स में पांच किमी वॉक रेस में रेशमा पटेल समेत अन्य विजेता खिलाड़ियों को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली में पुलिस मुख्यालय में 3,86,75000 रुपये का चेक देकर सम्मानित किया। शनिवार को लखनऊ में रेशमा को सम्मानित किया जाएगा। सोरांव के तिली का पूरा निवासी रेशमा और उनकी बहन रोजी पटेल देश में फ्लाइंग सिस्टर्स के नाम से मशहूर हैं। वर्ल्ड पुलिस फायर गेम्स में 41 मिनट में दौड़ पूरी कर इतिहास रचा था। साथ ही पोल वॉल्ट में कांस्य पदक जीतकर मान बढ़ाया था। मां निर्मला देवी ने बताया कि बेटी ने पदक जीतकर जिले का नाम देश–दुनिया में रोशन किया है। दिल्ली में सम्मान पाकर पूरे गांव का नाम रोशन किया है। भाई अंतरराष्ट्रीय एथलीट धावक इंद्रजीत पटेल ने कहा, आगामी प्रतियोगिताओं में भी वह स्वर्ण पदक जीतेगी।

खतरे के निशान के करीब पहुंचा गंगा–यमुना का जलस्तर, बस्तियों में घुसा पानी

प्रयागराज। गंगा और यमुना एक बार फिर उफान पर हैं। दोनों नदियों का जलस्तर 82 मीटर से ऊपर चला गया है और पानी कछार की बस्तियों के करीब तक पहुंच गया है। शनिवार तक बस्तियों में पानी घुसने की आशंका है। इसे देखते हुए प्रशासन ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। शनिवार को गंगा का पानी दशाश्वमेध घाट के मुख्य सड़क पर पहुंच गया। तीर्थ पुरोहित दूसरे स्थानों पर शिफ्ट होने लगे हैं। गंगा और यमुना एक बार फिर उफान पर हैं। दोनों नदियों का जलस्तर 82 मीटर से ऊपर चला गया है और पानी कछार की बस्तियों के करीब तक पहुंच गया है। शनिवार तक बस्तियों में पानी घुसने की आशंका है। इसे देखते हुए प्रशासन ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। पिछले 24 घंटे में यमुना के जलस्तर में एक मीटर की बढ़ोतरी हुई है। सिंचाई विभाग की शुक्रवार शाम चार बजे की रिपोर्ट के अनुसार नैनी में यमुना का जलस्तर 82.12 मीटर पहुंच गया। जबकि, बृहस्पतिवार को 81.12 मीटर जलस्तर था। वहीं गंगा के जलस्तर में भी इसी अवधि में 70 सेमी की वृद्धि हुई है। शाम चार बजे फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 82.13 मीटर था। छतनाग में 24 घंटे में गंगा के जलस्तर में 131 सेमी की बढ़ोतरी हुई है। इससे गंगा के कछारी इलाके में दबाव बढ़ गया है। ऐसे में छोटा बघाड़ा, सलोरी,

नेवादा, अशोक नगर और बेली कछार में बस्ती के करीब तक पानी पहुंच गया है। शाम को ही छोटा बघाड़ा और अशोक नगर के निचले इलाके में सड़क पर गंगा की लहरें आने लगी थीं।सिंचाई विभाग की रिपोर्ट के अनुसार यमुना में प्रति घंटा पांच सेमी और गंगा में तीन सेमी की रफ्तार से बढ़ोतरी जारी थी। ऐसे में इन इलाकों में रात में ही सड़कों तथा बस्तियों में पानी घुसने की आशंका बन गई है। गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। गंगा का पानी दशाश्वमेध घाट के मुख्य सड़क पर पहुंच गया है। इससे घाट पर तख्त लगाने वाले तीर्थ पुरोहित दूसरे स्थान पर शिफ्ट हो रहे हैं।

गंगा का दबाव बढ़ने के बाद कछार के निचले इलाकों में नालियों से भी पानी ऊपर की तरफ चढ़ने लगा है। इससे जल्द सड़कों पर पानी आने की आशंका है। इसे देखते हुए प्रभावित क्षेत्रों के लोगों ने सामान समेटना भी शुरू कर दिया है। शिवकुटी के चिल्ला बस्ती की सड़कों पर पानी पहुंच गया है। इससे जल्द सड़कों के जलमग्न होने के साथ ही घरों में पानी घुसने की आशंका है। क्षेत्र के राहुल का कहना कि वे सामान समेटने लगे हैं ताकि पानी बढ़ने पर ऊपरी मंजिल पर शिफ्ट हो सकें।

कोटेश्वर महादेव मंदिर के पंडित रवि किशन गिरि का कहना है कि निचले इलाके में पानी आ गया है। ऐसे में लोग सुरक्षित स्थान पर जाने की तैयारी करने लगे हैं।गंगानगर के सुंदरम कॉलोनी और बेली कछार में भी बस्ती के पास पानी पहुंच गया है। पार्षद भोला तिवारी का कहना है कि लोगों को सतर्क किया गया है। सामान समेटने के साथ सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहने के लिए कहा गया है।

मुज़फ्फरनगर में शिव भक्तों की सेवा में सब त्याग कर जुटे नगरवासी

मुज़फ्फरनगर। पूर्व वर्षो की भांति इस वर्ष भी जनपद मुज़फ्फरनगर के नगरवासी हरिद्वार से पवित्र गंगा जल लाकर अपने अपने गंतव्य को ओर जाने वाले कावड़ियों की सेवा में जी

जान लगाकर जुटे है। नगर में शिव भक्तों के मुख्य मार्ग पर देव कलेक्सन के बाहर युवाओ ने भोलो की सेवा का मोर्चा खोला और शुद्ध ठंडा जल वितरित किया और उनको मुज़फ्फरनगर की भक्ति व श्रद्धा भाव का अहसास कराया सेवा करने वालो में मुख्य रूप से सौरभ राजपूत, नीतीश, हर्ष, मयंक, सोनू व अमित उपस्थित रहे।

वायुसेना अधिकारी के बंद मकान में चोरी से मचा हड़कंप

-विधायक मिथलेशपाल ने पीड़ित परिवार को दिला कार्रवाई का आश्वासन

मोरना। जानसठ मार्ग स्थित गांव खुजेडा में बीती रात अज्ञात चोरों ने बंद पड़े मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात चोरी कर सनसनी फैला दी। पीड़ित शिवकुमार भारतीय वायुसेना में अधिकारी है। पाल समाज के परिवार मे चोरी होने की जानकारी मिलते ही मीरापुर विधायक मिथलेश पाल मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी कर शीघ्र घटना का खुलासा कराने का आश्वासन दिया है। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव खुजेड़ा निवासी शिवकुमार इंडियन एयर फ़ोर्स मे वारन्ट ऑफिसर हैं। वर्तमान मे वह जोधपुर मे तैनात हैं। शिव कुमार के बड़े भाई

राजबीर गांव मे पुलिस चौकीदार हैं। शनिवार की सुबह राजबीर की पत्नी कुंता देवी जब खेत जा रही थीं, तभी उन्होंने शिवकुमार के मकान के मुख्य गेट का टूटा ताला देखा तो सन्न रह गयी। ताला टूटे होने की जानकारी शिवकुमार को दी गयी। जिसके बाद परिजन घर में दाखिल हुए तो नीचे के कमरे में सामान खुर्द बुर्द मिला। ऊपर कमरे में भी ताले टूटे हुए मिले। सेफ अलमारी से सोने–चांदी के कीमती आभूषण जैसे 2 सोने के ओम लॉकेट, 2 चांदी के कड़े और 2 पाजेब गायब मिले। वहीं सूचना पर थानाध्यक्ष जोगिंदर सिंह मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। मीरापुर विधायक मिथलेश पाल भी मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से घटना की जानकारी की। विधायक ने पुलिस अधिकारियों से जल्द घटना का खुलासा करने को कहा। गांव चौकीदार राजबीर के परिवार मे चोरी की घटना के बाद गांव मे दहशत व्याप्त है।

सरकार की प्राथमिकता वाली पीएम सूर्य घर अर्थात रूफ टॉप सोलर पैनल योजना को बिजली अधिकारियों द्वारा लगाया जा रहा पलीता

मुजफ्फरनगर। वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत के रूप में सरकार उक्त योजना का विभिन्न माध्यमों से पर्याप्त प्रचार प्रसार कर रही है और प्रोत्साहन हेतु केन्द्र व राज्य सरकार सब्सिडी भी लाभार्थियों को दे रही है। परंतु इस सबके बावजूद रूफ टॉप सोलर पैनल द्वारा उत्पादित एक्सपोर्ट यूनिट्स समायोजित

कराने हेतु उपभोक्ता अनावश्यक रूप से बिजली अधिकारियों को अनेक बार शिकायतें करके, विद्युत समाधान शिविरों के चक्कर काटकर और मुख्यमंत्री पोर्टल पर कई बार शिकायतें करने के बावजूद समस्त एक्सपोर्ट यूनिट्स बिल में समायोजित नहीं होने के कारण काल्पनिक, त्रुटिपूर्ण, अत्यधिक धनराशि के बिल जैनरेट किए जाने से उपभोक्ताओं का मानसिक, आर्थिक शोषण,उत्पीड़न किया जा रहा है। आर्मरर्ड केबल भी उपभोक्ताओं के यहां न लगाकर उपभोक्ता के पुराने केबल को ही लगाया जा रहा है। ऐसा ही एक प्रकरण प्रेमवती पत्नी तेजपाल सिंह पुत्र श्री श्यामसिंह 520/2 ईदगाह रोड कृष्णापुरी मुजफ्फरनगर।

संयोजन स0–71273, खाता स0–3539854000

मो0 न0–9456080968 का है जिनके नाम से 04 किलोवॉट का संयोजन स्वीकृत है। ओर उनके द्वारा लगातार आई0 जी0 आर0 एस0 पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज करवाई परंतु अधिशासी अभियंता विद्युत नगरीय वितरण खण्ड मुजफ्फरनगर के द्वारा मनमाने और अनुचित ढंग से शिकायत का निस्तारण दर्शाकर अपना पल्ला झाड़ लिया हैं।तेजपाल जी द्वारा बार बार विद्युत अधिकारीयो को एक्सपोर्ट यूनिट्स समायोजित कर संशोधित बिल बनवाने का अनयरोध किया गया परंतु कोई सुनवाई नही हुई जिनसे पूरा परिवार मानसिक प्रताड़ना झेलने को मजबूर है।

बूथ उतारेगा कुछ लोगों का भूत : अखिलेश

अखिलेश यादव का सीएम योगी पर बड़ा हमला

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, अगली बार कुछ लोगों का भूत बूथ उतारेगा, और कुछ नहीं कहना है। शुक्रवार को सीएम योगी के दिए गए एक बयान पर अखिलेश यादव ने ये पलटवार किया है। सीएम योगी ने मुहर्रम जुलूस और कांवड़ यात्रा की तुलना करते हुए कहा, सरकार ने सभी धर्मों के पर्वों को लेकर सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियम तय किए हैं।

पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी ने मनाई आदिकवि भानुभक्त की जन्म–जयंती

तेजपुर। पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी असम (भारत) द्वारा 13 जुलाई 2025 को आभासी माध्यम पर आदिकवि भानुभक्त आचार्य की 212 वीं जन्म जयंती के अवसर पर काव्य संध्या का आयोजन किया गया। रीता सिंह सर्जना की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का संचालन आभा कुमारी चौधरी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्वालियर साहित्य संस्थान के अध्यक्ष एवं श्लोकमंगलश पत्रिका के संपादक डॉ. भगवान स्वरूप चौतन्य मंच पर उपस्थित थे। मुख्य वक्ता के रूप में नेपाली साहित्यकार हरि प्रसाद लुईटेल,विश्वनाथ से विराजमान थे। वक्ता के रूप में डॉ गोमा देवी शर्मा,तेजपुर विश्वविद्यालय और महेश पौडेल, त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू, नेपाल से उपस्थित थे। चंदन उपाध्याय ने दीप प्रज्ज्वलित किया गया तथा पूजा सुनुवार ने अपनी सुमधुर आवाज में सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया। संस्थापिका रीता सिंह श्सर्जनाश ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। ऑनलाइन इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्रीमान हरि लुइटेल जी ने भानुभक्त के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनकी समग्र कृति के बारे में जानकारी दी स उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भानुभक्त आचार्य कैसे आदिकवि कहलाए तथा उन्होंने संपूर्ण विश्व में रामायण कथा को नेपाली भाषा में लिखकर प्रत्येक घर में पहुँचायास सात

कांडों में रचित नेपाली रामायण में समावेश मौलिक उद्भावनाओं ने इसे नेपाली भाषी के अनुकूल बनाया जिसमें निहित नेपालीपन को सहर्ष देखा जा सकता है। यही एक लेखक की रचना की सफलता भी है।

वक्ता महेश पौडेल ने कहा कि भानुभक्त ने जिस भाषा को अपनाया वह न दरबारी भाषा थी, न वेदों की भाषा। वह थी जनभाषा। तुलसीदास की भाँति उन्होंने भी लोकभाषा को महत्व दिया और लिखने माध्यम नेपाली भाषा को चुना। मुख्य अतिथि डॉ भगवान स्वरूप चौतन्य ने भानुभक्त को एक ऐसे जन कवि बताया और जिनकी कविता लोगों के हृदय में बसी हुई है इसीलिए उनको हम याद कर रहे हैं। सूर्यवंशी राम की कथा भानु जी गाते हैं और राम कथा के माध्यम से इस संसार के अंधकार को चीरते हैं और लोगों के हृदय में आध्यात्मिक चेतना जगाते हैं एवं मानवीय मूल्यों को जगाते हैं।

सनातन और शाश्वत मूल्य की स्थापना करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक कविता भी वाचन किया वक्ता डॉ. गोमा देवी शर्मा ने नेपाली भाषा के अनेक नामों का जिक्र करते हुए कहा कि नेपाली भाषा को भारत ने सबसे पहले नाम दिया है जबकि नेपाल में कई वर्षों बाद इस भाषा को श्नेपालीश के रूप में स्वीकार किया स गौर करने की बात यह है कि इस भाषा को नेपाली नाम से पूर्व गोर्खा भाषा कहा जाता था स नेपाली भाषा की कई भाषिकाएं हैं जिनमें भानुभक्त ने पूर्वी भाषिका को अपनी अभिव्यक्ति का माध्यम बनाया और इसके माध्यम से अपनी कालजयी कृति को घर–घर तक पहुँचाया। इस अवसर पर बहुभाषी काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। आमंत्रित कविगण इस प्रकार है अंगद धारिया, (आगरा),डॉ अन्नपूर्णा बाजपेई, (कानपुर),गीता लिम्बू(शिलांग),कागो मादो, (अरूणाचल प्रदेश), सीमा सिंह श्स्वस्तिकाश और आभा चौधुरी, (गुवाहाटी) से उपस्थित थे।

अंत में संस्थापिका रीता सिंह श्सर्जनाश ने अपने उद्बोधन अंतर्गत आदिकवि भानुभक्त को श्रद्धा षनिवेदन करते हुए कहा कि उन्होंने समग्र नेपाली जनमानस में नेपाली भाषा का एकीकरण कर रामभक्ति का मार्ग दिखाया।ष इसके बाद उन्होंने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया और कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

पी.आर. पब्लिक स्कूल द्वारा आयोजित भव्य कावड़ सेवा शिविर

"कर्ता करे न कर सके, शिव करे सो होय, तीन लोक नौ खंड में, महाकाल से बड़ा न कोय!"

मुजफ्फरनगर। पचेंडा रोड स्थित पी.आर. पब्लिक स्कूल ने समाज सेवा, संस्कार और संस्कृति से जुड़ाव की प्रेरणा को साकार करते हुए भव्य कावड़ सेवा शिविर का आयोजन किया। इस पुनीत अवसर पर स्कूल के छात्र–छात्राओं, शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों ने श्रद्धा और सेवा भाव के साथ कावड़ियों की सेवा की।

शिविर का शुभारंभ स्कूल के प्रधानाचार्य श्री अनघ सिंघल जी द्वारा किया गया। उन्होंने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि

"सेवा ही सच्चा धर्म है। जब बच्चे निःस्वार्थ भाव से किसी कार्य में भाग लेते हैं, तो उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। पी.आर. पब्लिक स्कूल सदैव ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास करता रहेगा।"

शिविर के दौरान फलाहार, शीतल जल, कोल्ड ड्रिंक्स आदि वितरित कर कावड़ियों का स्वागत किया गया। इस सेवा में विद्यार्थियों के साथ–साथ शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सेवा देने वाले शिक्षकों में श्री प्रवीण कुमार, श्री विश्व बंधु शर्मा, श्रीमती दिव्या शर्मा, श्रीमती नीता गुप्ता, श्रीमती शशि जैन, श्री शंकर शर्मा, श्री दीपक मलिक, श्री रितेश त्यागी, श्री विशांक त्यागी, श्रीमती बिना वत्स, श्रीमती निशु चौधरी, श्रीमती प्रियंका चौधरी, श्रीमती अनीता शर्मा, श्रीमती मीनू वर्मा, प्रज्ञा सिंधी, अनुपम सैनी का विशेष सहयोग रहा।

सेवा में भाग लेने वाले विद्यार्थियों में अंशिका, वंशिका, रावि, नव्या, रिया, परी, श्रेया, अपर्णा, इशांत, विवेक, वंश, आर्यन, विख्यात आदि विद्यार्थियों की सहभागिता उल्लेखनीय रही। इन विद्यार्थियों ने पूरे समर्पण भाव से सेवा कार्यों को संपन्न किया। स्कूल परिवार का यह प्रयास समाज में सकारात्मक ऊर्जा और भारतीय मूल्यों के प्रचार–प्रसार की एक सुंदर मिसाल बनकर उभरा।

मर्म चिकित्सा सेवा से डॉ. अंकुर 'मानव' ने शिवभक्तों को दी राहत, 29वें कांवड़ सेवा शिविर में मिला श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य लाभ

गुड मॉर्निंग फ्रेंड्स क्लब व बीएसएनएल कर्मचारियों के संयुक्त शिविर में वैकल्पिक चिकित्सा बनी आकर्षण का केंद्र

मुज़फ्फरनगर, खतौली। खतौली के नवीन दूरभाष केंद्र पर आयोजित 29वें कांवड़ सेवा शिविर में जहां एक ओर गुड मॉर्निंग फ्रेंड्स क्लब, शाहदरा दिल्ली और बीएसएनएल टेलीफोन एक्सचेंज, खतौली के संयुक्त प्रयास से शिवभक्तों को जल, पेय, प्राथमिक चिकित्सा, मोबाइल चार्जिंग, विश्राम आदि की सुविधाएं दी जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में एक विशेष योगदान वरिष्ठ समाजसेवी, लेखक व वैकल्पिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. अंकुर प्रकाश गुप्ता श्मानवश द्वारा दिया जा रहा है। उन्होंने इस शिविर में ष्मर्म चिकित्साष के माध्यम से यात्रियों को राहत पहुंचाकर इस सेवा शिविर को विशेष पहचान प्रदान की। डॉ. अंकुर मानव द्वारा कांवड़ यात्रा के दौरान अधिक दूरी चलने व कांधे पर भार उठाने के कारण शिवभक्तों को होने वाले असहनीय कंधे, पीठ और पैरों के दर्द का सफलतापूर्वक उपचार किया गया। उनकी मर्म चिकित्सा विधि से दर्जनों शिवभक्तों को तत्काल आराम मिला, जिन्हें आमतौर पर अस्पतालों में दी जाने वाली एलोपैथिक दवाओं से भी राहत नहीं मिल पाती थी। मर्म बिंदुओं पर आधारित यह चिकित्सा पद्धति पूरी तरह से प्राकृतिक, निःशुल्क और तत्काल प्रभावकारी रही, जिससे लाभान्वित शिवभक्तों ने डॉ. अंकुर गुप्ता का साधुवाद किया और उनकी सेवा को 'भोलेनाथ की कृपा स्वरूप' बताया। इस सेवा शिविर के सफल संचालन में गुड मॉर्निंग फ्रेंड्स क्लब, शाहदरा (दिल्ली) की भूमिका केंद्रीय रही। क्लब के अध्यक्ष योगेश त्यागी, प्रधान प्रमोद शर्मा और कोषाध्यक्ष अनिल कुमार बंसल के नेतृत्व में दिल्ली से आए लगभग 20 सदस्य पूर्ण समर्पण भाव से शिविर संचालन में लगे रहे। इन सेवाभावी सदस्यों में मोहन दत्त शर्मा, डॉक्टर संजय बजाज, संजय सिंघल, मुकेश सिंघल, रमेश गिरी, गौतम बैसला और विनय नगर जैसे नाम प्रमुख रहे, जिन्होंने शिवभक्तों को जल, शरबत, चाय, दवाई, फलों आदि की सेवा में दिनभर योगदान

दिया। समारोह में जब श्रद्धालुओं ने डॉ. अंकुर प्रकाश गुप्ता की वैकल्पिक चिकित्सा सेवा का अनुभव किया तो ष्हर हर महादेवष के जयकारों के साथ उन्होंने उनके लिए आभार और सम्मान व्यक्त किया। ऐसे सेवा कार्यों के माध्यम से न केवल धार्मिक भावनाओं को बल मिलता है, बल्कि समाज में चिकित्सा जागरूकता और सहयोग की भावना भी प्रबल होती है।गुड मॉर्निंग फ्रेंड्स क्लब और बीएसएनएल कर्मचारियों के सहयोग से आयोजित इस सेवा शिविर ने यह सिद्ध किया कि जब समाज के विभिन्न वर्ग सेवा, समर्पण और संगठित प्रयासों के साथ एकत्र होते हैं, तो हर आयोजन जनसेवा का एक प्रेरणादायी उदाहरण बन जाता है।

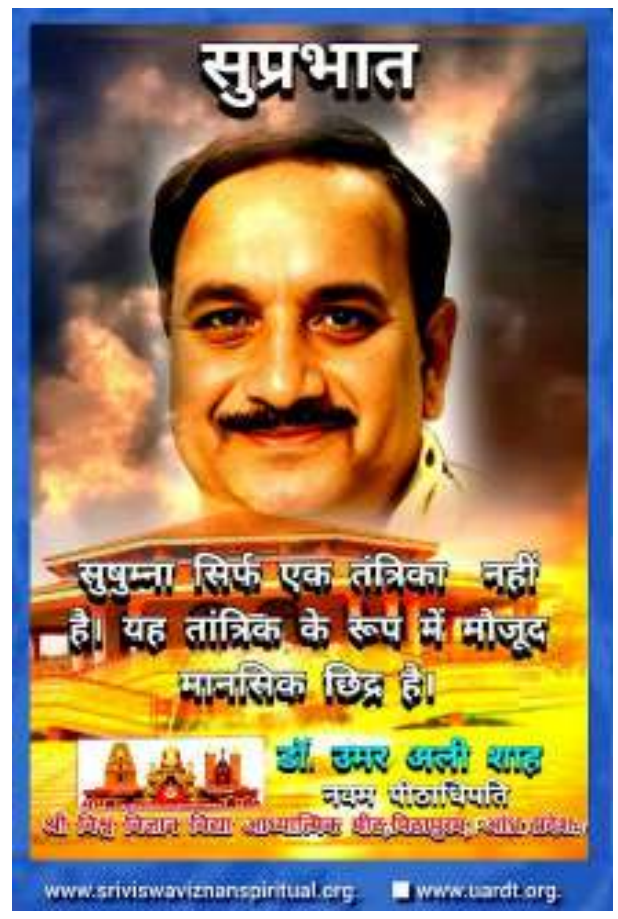

इनायत आम

(कुण्डलिया)

आम नवाबी काल का, मीठा खुशबूदार।
मिला इनायत का इसे, संरक्षण अरु प्यार।
संरक्षण अरु प्यार, नाम उनका ही रखकर।
खुशियाँ रहा बिखेर, मुर्शिदाबादी कहकर।
सुन लो कहें प्रदीप, स्वाद में लगे मलाई।
बनकर मधुर पसन्द, बताता आम नवाबी।।

आम मुर्शिदाबाद का, है 'इनायत पसन्द'।
खाकर कहते हैं सभी, लगता है गुलकन्द।
लगता है गुलकन्द, जिल्द है जिसका पतला।
गूदा है रसदार, स्वाद में नम्बर पहला।
सुन लो कहें प्रदीप, रंग है पीला जिसका।
चलो लगाओ पौध,आम मुर्शिदाबाद का।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सविता वर्मा इस बार करेंगे फिलिपींस में मिसेज यूनिवर्स 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रीती यादव फाउंडर सीईओ (क्वीनीफाइड ईवेंट्स ओ पी सी प्राइवेट लिमिटेड) ने बताया कि हमें यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि सविता वर्मा 1 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक फिलीपींस में होने वाली मिस यूनिवर्स 2025 प्रतियोगिता में हमारे राज्य और देश का प्रतिनिधित्व करेंगी! क्वीनिएड इवेंट्स ओ पी सी प्रावेट लिमिटेड एक प्रमुख इवेंट आर्गेनाइजेशन है जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के पेजेंट्स के लिए उभरते हुए मॉडल्स को प्रशिक्षित करने में विशेषज्ञता रखता है। यह अकादमी लड़कियों के लिए, सभी आयु वर्गों में, मॉडलिंग और पेजेंट्री के हर पहलू को कवर करते हुए संपूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करती है। और प्रतियोगिता का आयोजन करती है जैसे मिसेज उत्तर प्रदेश क्वीन ऑफ वर्चु कवीनीफाइड ईवेंट्स भारत में एक अनोखी संस्था के रूप में उभर कर सामने आई है, जो फैशन, पेजेंट से जुड़ी सेवाएं और प्रोडक्ट लिंकिंग जैसी सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराती है। छात्रों को अनुभवी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पेशेवरों से व्यक्तिगत मार्गदर्शन और मेंटरशिप प्राप्त होती है। जहाँ कई राज्य स्तरीय विजेता प्रशिक्षण ले चुके हैं, वहीं अब क्वीनिएड इवेंट्स गर्व से यह घोषणा कर रही है कि स्वयं संस्था ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। हमें इन शानदार उपलब्धियों को साझा करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा हैः क्वीनिएड इवेंट्स, गर्वपूर्वक घोषणा करता है कि मिसेज सविता वर्मा को मिसेज यूनिवर्स 2025 के लिए अपनी आधिकारिक प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है। बहराइच की रहने वाली सविता एक प्रतिभाशाली शिक्षिका हैं और कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की सौंदर्य प्रतियोगिताओं की विजेता रही हैं। हाल ही में उन्होंने मिसेज यूनिवर्स वेस्ट एशिया 2025 का खिताब जीतकर देश का नाम रोशन किया है। अब वे 1 से 9 अक्टूबर 2025 तक फिलीपींस में आयोजित होने जा रही मिसेज यूनिवर्स 2025 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

महिला सफाईकर्मियों को ट्रक ने रौंदा, एक की मौके पर मौत, गुस्साए लोगों ने किया हंगामा

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के पीजीआई थाना क्षेत्र में एक ट्रक ने महिला सफाईकर्मियों को रौंद दिया। 1 महिला की मौके पर ही मौत हो गई। उसका शव ट्रक में फंस गया। दूसरी महिला गंभीररूप से घायल हो गई। प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी मिल गई। महिलाओं को रौंदने के बाद ट्रक डाले में टकराकर रुक गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। करीब आधे घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। ट्रक ड्राइवर भी घायल था, उसे उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। पुलिस ने क्रेन से ट्रक को सड़क से हटाकर अपने कब्जे में ले लिया। घटना शनिवार सुबह करीब साढ़े नौ किसान पथ पर मोहिद्दीनपुर गांव के पास हुई। गुस्साए लोगों ने किसान पथ जाम कर हंगामा किया। लोगों का आरोप है कि ट्रक ड्राइवर नशे में था। मृतक की पहचान शिवढरा, मोहनलालगंज की रहने वाली 38 वर्षीय रजनी के रूप में हुई है। वह एनएचएआई में सफाईकर्मी थी। शनिवार सुबह वह अन्य कर्मचारियों के साथ सड़क की सफाई कर रही थीं। इसी दौरान बेकाबू ट्रक ने उन्हें और महिला सफाईकर्मी संगीता निवासी पीजीआई को रौंद दिया। मौके पर पहुंचे पीजीआई इंस्पेक्टर धीरेंद्र कुमार सिंह ने लोगों को शांत कराया। मृतक रजनी के पति की छह साल पहले मौत हो गई थी।

सम्पादकीय.....

शुभांशु की शुभ वापसी

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और ऐक्सीअम 4 मिशन के उनके तीन अन्य साथी 18 दिन के प्रवास के बाद पृथ्वी पर सकुशल लौट आये हैं। अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी पर लौटने से पहले 22.5 घंटे की यात्रा की। करीब 18 दिन के प्रवास के दौरान उन्होंने पृथ्वी के 310 से ज्यादा चक्कर लगाए और करीब 1.3 करोड़ किलोमीटर की दूरी तय की। यह अभियान भारत के लिए ऐतिहासिक रहा, क्योंकि शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर कदम रखने वाले पहले भारतीय बने और राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष जाने वाले दूसरे भारतीय। राकेश शर्मा अप्रैल 1983 में अंतरिक्ष गए थे। 25 जून को चार अंतरिक्ष यात्रियों के साथ फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से फॉल्कन 9 द्वारा ड्रैगन को अंतरिक्ष में भेजा गया था। इस अभियान को भारत की गगनयान योजना के तहत 2027 में होने वाले पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन की शुरुआती सफलता के तौर पर भी देखा जा रहा था। इसके अलावा भारत की साल 2035 तक अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने और 2040 तक चांद पर अंतरिक्ष यात्री भेजने की महत्त्वाकांक्षी योजना है। अभियान के दौरान शुक्ला ने कहा था, 'अंतरिक्ष से आज का भारत काफी महत्वाकांक्षी, निडर, आत्मविश्वास और गर्व से भरा नजर आता है। भारत आज भी ऊपर से सारे जहां से अच्छा दिखता है।' शुक्ला का अंतरिक्ष यान सोमवार की शाम करीब 4.50 बजे अंतरिक्ष स्टेशन से अलग हो गया था और इसे वापसी की यात्रा में करीब साढ़े बाइस घंटे का वक्त लगा। प्रशांत महासागर पर सुरक्षित उतरने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को लाने के लिए नावें तैयार थीं। ऐक्सीअम–4 का चालक दल शाम करीब 4 बजे यान से बाहर निकला, जिसके बाद उनकी कई तरह की चिकित्सीय जांच की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'मैं राष्ट्र के साथ मिलकर ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्वागत करता हूं, जो अपने ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन से पृथ्वी पर लौट आए हैं। वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा करने वाले पहले भारतीय हैं और उन्होंने समर्पण, साहस और अन्वेषण भावना से अरबों लोगों को प्रेरित किया है।' मोदी ने कहा कि यह भारत के अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन– गगनयान की दिशा में एक और मील का पत्थर है। बताया जा रहा है कि भारत ने इस मिशन के लिए करीब 500 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। आईएसएस में ऐक्सीअम–4 क्रू ने कुल 60 प्रयोग किए, जिनमें सात भारतीय शोधकर्ताओं ने तैयार किए थे। इन शोधों का मूल लक्ष्य यह देखना था कि अंतरिक्ष में जीवन का क्या होता है। ऐक्सीअम–4 मिशन 25 जून को फ्लोरिडा में नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से सफलतापूर्वक रवाना हुआ था। यह 26 जून को जाकर आईएसएस के साथ जुड़ गया था। दो दिन तक बहुत कम गुरुत्वाकर्षण (माइक्रोग्रैविटी) वाले माहौल से तालमेल बिठाने के बाद 29 जून से शुभांशु ने वैज्ञानिक प्रयोग शुरू किए थे। उन्होंने आईएसएस में समय बिताते हुए सात प्रयोग किए–1. शुभांशु के प्रमुख प्रयोगों में एक अंतरिक्ष में माइक्रोएल्गी रखना था। उन्होंने इन एल्गी (शैवाल) के नमूनों से भरा थैला रखा और उनकी प्रजातियों के उपसमूहों की तस्वीरें भी लीं। ये नन्ही सी एल्गी आगे चलकर अंतरिक्ष को खंगालने में बड़ी भूमिका निभा सकती है क्योंकि लंबे अरसे के लिए गए मिशन को ये पोषक तत्वों से भरपूर भोजन का स्थायी स्रोत उपलब्ध करा सकता है। 2. अंतरिक्ष स्टेशन के भीतर सलाद के बीजों को अंकुरित करने का प्रयोग भी किया गया, जिसे कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़ और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, धारवाड़ ने तैयार किया था। 3. यूटार्डिग्रेड पैरामैक्रोबायोटस की जीवन क्षमता, पुनर्जीविता, प्रजनन और ट्रांसक्रिप्टोम का आकलन करने के लिए भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बेंगलुरु के प्रयोग को भी वहां आजमाया गया। वॉयेजर टार्डिग्रेड्स के इस प्रयोग में देखा गया कि सूक्ष्मदर्शी जीव अंतरिक्ष में कैसे जीवित रहते और प्रजनन करते हैं। 4. शुभांशु ने मायोजेनेसिस प्रयोग भी किया, जिसका मकसद यह पता लगाना था कि अंतरिक्ष में कंकाल की मांस पेशियों का क्षरण किस जैविक तरीके से होता है। 5. चयापचय में मदद करने वाले पदार्थों का सूक्ष्म गुरुत्व में मांसपेशियों के पुनर्विकास पर पड़ने वाला प्रभाव समझने के लिए भी एक प्रयोग किया गया। 6. सूक्ष्म गुरुत्व में आईआईएससी द्वारा विकसित इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले की मदद से मानव संपर्क का विश्लेषण किया गया। 7. भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, अंतरिक्ष विभाग तथा केरल कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले कृषि महाविद्यालय, वेल्लायनी द्वारा तैयार खाद्य फसल बीजों की वृद्धि और उपज पर परीक्षण भी अंतरिक्ष स्टेशन में किया गया। शुभांशु की शुभ वापसी पर शुक्ला परिवार सहित सारा देश इस इतिहासिक पल पर गर्व महसूस कर रहा है। खुशी के इस माहौल में हमें हमेशा यह याद रखना चाहिए।

नरेंद्र मोदी सरकार और चुनाव आयोग में अद्भुत तालमेल

कांसभी परिस्थितियां और बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने का तरीका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के बीच अद्भुत तालमेल की ओर संकेत कर रहे हैं। भाजपा लंबे समय से दावा करती रही है कि बड़ी संख्या में अवैध प्रवासियों और मतदाताओं के दोहरे नाम मतदाता सूची में हैं और इसलिए इसे साफ करने की जरूरत है। दूसरी ओर, इंडिया गठबंधन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया है कि उसकी सरकार ने राज्य में सत्ता हासिल करने के लिए मतदाता सूची से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटवाने के इरादे से यह प्रक्रिया शुरू की है। एक तीसरी राय यह है कि ये अल्पकालिक लक्ष्य हैं और इस कवायद का असली मकसद बिहार में सत्ता हासिल करने से कहीं आगे बढ़कर पूरे देश को अपने दायरे में लेना है, और अंततरू देश के लिए एनआरसी का एक खाका तैयार करना है, जो भारत के लोगों के कड़े प्रतिरोध के कारण रुका हुआ है। आइए एक–एक करके तीनों दावों की जांच करें। भारत के चुनाव आयोग ने कहा है कि अब तक एसआईआर प्रक्रिया के दौरान उन्हें मतदाता सूची में बड़ी संख्या में अवैध नेपाली और बांग्लादेशी प्रवासियों के नाम मिले हैं। आयोग ने इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी है, लेकिन यह संकेत देता है कि संशोधित मतदाता सूची से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटा दिये जायेंगे। अब आते हैं इंडिया ब्लॉक के इस दावे पर कि बड़ी संख्या में मतदाताओं, जिन्हें वे अपना मतदाता मानते हैं, के नाम हटाये जाने हैं। उनका डर इस तथ्य से उपजा है कि बिहार के बड़ी संख्या में वंचित गरीब लोगों के पास उन 11 दस्तावेजों में से कोई भी नहीं है जिन्हें चुनाव आयोग ने उनकी नागरिकता के प्रमाण के रूप में वैध दस्तावेज के रूप में सूचीबद्ध किया है। पिछले चुनावों के नतीजों ने साफ तौर पर दिखाया है कि ये लोग भाजपा या एनडीए को नहीं बल्कि इंडिया ब्लॉक के घटक दलों का समर्थन करते रहे हैं। जब हम दोनों दावों को मिलाते हैं, तो हमें बिहार के लिए एक भयावह राजनीतिक परिदृश्य दिखायी देता है। आरएसएस–भाजपा गठबंधन की तर्ज पर वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में दायर एक याचिका में दिया गया कि हर विधानसभा क्षेत्र में 8,000–10,000 अवैध, दोहरी और फजर्ी प्रविष्टियां हैं, तथा 2000–3000 मतदाताओं की मामूली विसंगतियां भी चुनाव परिणाम को प्रभावित कर सकती हैं। आश्चर्यजनक रूप से यह आंकड़ा महागठबंधन नेता तेजस्वी यादव के दावे से लगभग मेल खाता है। उन्होंने दावा किया है कि मतदाता सूची से सिर्फ एक प्रतिशत मतदाताओं के बाहर होने से भी बिहार भर में लगभग 7.9 लाख मतदाता मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। राज्य में 2020 में हुए पिछले चुनाव में, 52सीटों पर जीत का अंतर सिर्फ 5000 वोटों से कम का था। अगर यही स्थिति रही, तो हर निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 3,200 वोट कट सकते हैं। अश्विनी और तेजस्वी दोनों के आकलन बताते हैं कि प्रति निर्वाचन क्षेत्र 3000 वोटों का कटना भी राज्य के राजनीतिक नतीजों को प्रभावित कर सकता है। अगर विपक्ष का यह आरोप कि वोटरों के नाम हटाये जाने हैं, चाहे वे वैध हों या अवैध, दोनों ही, जिनके इंडिया ब्लॉक का समर्थन आधार होने का संदेह है, सच साबित होता है, तो यह भाजपा के पक्ष में पलड़ा भारी कर देगा। मतदाता सूची को साफ करने के प्रयास में बिहार में संशोधित मतदाता सूची से बड़ी संख्या में प्रवासी बिहारियों के नाम हटाये जाने की संभावना है। इसके अतिरिक्त, चुनाव आयोग ने अभी तक सर्वोच्च न्यायालय के उस सुझाव को स्वीकार नहीं किया है जिसमें उसने आधार कार्ड, राशन कार्ड या मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) को नागरिकता के पर्याप्त प्रमाण के रूप में स्वीकार करने पर विचार करने को कहा था। इस प्रकार, बिहार में एसआईआर की पूरी प्रक्रिया संशोधित मतदाता सूची से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाने के लिए तैयार है, क्योंकि लाखों लोग चुनाव आयोग द्वारा मांगे जा रहे दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा पायेंगे। सर्वोच्च न्यायालय की इस कड़ी चेतावनी के बावजूद कि किसी व्यक्ति की नागरिकता का निर्धारण चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र से बाहर है, यह संभावना वास्तविक प्रतीत होती है कि आयोग नागरिकता निर्धारण कर मतदाता सूची बनायेगी। चुनाव आयोग ने दस्तावेज जमा करने के लिए 25 जुलाई तक की समयसीमा दी थी, और अब कहा है कि वे दावे और आपत्तियों के दौरान भी दस्तावेज जमा कर सकते हैं। 1 सितंबर तक विंडो खुली रहेगी। मतदाता सूची का मसौदा 1 अगस्त को और अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जायेगी। यहां पूरे देश के लिए एनआरसी का एक खाका तैयार करने के प्रयास की तीसरी सबसे भयावह राय सामने आती है। क्योंकि चुनाव आयोग पहले ही घोषित कर चुका है कि बिहार के लिए एसआईआर (विशेष जांच रिपोर्ट) शुरुआत है और यह प्रक्रिया अन्य राज्यों के लिए भी की जायेगी। नवीनतम रिपोर्ट यह है कि चुनाव आयोग ने अवैध विदेशी आप्रवासियों को हटाने के लिए मतदाता सूची की राष्ट्रव्यापी एसआईआर (विशेष जांच रिपोर्ट) तैयार करने के लिए अपनी क्षेत्रीय मशीनरी को सक्रिय कर दिया है। यदि असम के अनुभव से कोई संकेत मिलता है, तो सरकार देश के लिए एनआरसी बनाने की अपनी कवायद में संशोधित मतदाता सूची को एनआरसी के एक खाके के रूप में इस्तेमाल करेगी। हटाये गये मतदाताओं या डी मतदाताओं के नाम, फिर किसी व्यक्ति की नागरिकता निर्धारित करने का अधिकार रखने वाले प्राधिकारी, जैसे कि विदेशी न्यायाधिकरण, को भेजे जायेंगे। असम के अनुभव से पता चलता है कि जो लोग सक्षम प्राधिकारियों के समक्ष अपनी नागरिकता साबित नहीं कर पायेंगे, उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है और उनके संबंधित देशों में निर्वासन के लिए हिरासत केंद्रों में भेजा जा सकता है। देश भर से पकड़े गये अवैध प्रवासियों को बंदूक की नोक पर बांग्लादेश वापस भेजने की हालिया रिपोर्ट, उन्हें किसी सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपनी नागरिकता साबित करने का पर्याप्त समय दिये बिना, एक और खतरा पैदा करती है। संक्षेप में, बिहार राजनीतिक और सामाजिक हितों के टकराव के एक कठिन दौर की ओर बढ़ रहा है, जो अंततरू 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले पूरे देश को अपनी चपेट में ले लेगा, जब मोदी सरकार श्एक राष्ट्र, एक चुनावश लागू करने और मार्च 2027 तक पूरी होने वाली जनगणना के बाद निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन करने का इरादा रखती है। भारतीय एक ऐसे सामाजिक– राजनीतिक भंवर की ओर बढ़ रहे हैं जिससे पार पाना आसान नहीं होगा।

चितरंजन स्वरूप स्मृति विचार मंच ने विशाल निःशुल्क कांवड़ सेवा शिविर लगाया

कावड़ियों की सेवा करना है हमारा सौभाग्य : गौरव स्वरूप

मुजफ्फरनगरसचितरंजन स्वरूप स्मृति विचार मंच के मिडिया प्रभारी आकाश अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया की हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी चितरंजन स्वरूप स्मृति विचार मंच के अध्यक्ष शलभ गुप्ता एडवोकेट जी और जनार्दन विश्वकर्मा के संयुक्त प्रयास से और वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरूप जी के सहयोग से विशाल निशुल्क चिकित्सा एवं भोजन,जूस,दूध, पानी आदि सेवा का कावड सेवा शिविर का आयोजन तुलसी पार्क शिव चौक पर किया गया!

''जिसमें मुख्य अतिथि जिले के प्रभारी मंत्री श्री सोमेंद्र तोमर राज्य मंत्री उर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा विभाग उत्तर प्रदेश सरकार एवं कौशल विकास राज्य मंत्री श्री कपिल देव अग्रवाल ,नगर पालिका अध्यक्षा मीनाक्षी स्वरूप, जिला पंचायत अध्यक्ष विरपाल निर्वाल,जिलाध्यक्ष भाजपा सुधीर सैनी रहे!'

सर्वप्रथम नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप एवं भाजपा नेता गौरव स्वरूप के द्वारा मुख्य अतिथि श्री सोमेंद्र तोमर राज्य मंत्री जी का पटका पहनाकर स्वागत किया गया' उसके 'पश्चात शिविर का मुख्य अतिथि राज्य मंत्री श्री सोमेन्द्र तोमर,राज्य मंत्री श्री कपिल देव अग्रवाल,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप,जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विरपाल निर्वाल,भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी ,भाजपा नेता गौरव स्वरूप द्वारा रीबन काटकर शिविर का विधिवत शुभारंभ किया गया!'

'चितरंजन स्मृति मंच के अध्यक्ष एवं व्यापारी नेता शलभ गुप्ता एवं महामंत्री जनार्दन विश्वकर्मा के द्वारा मुख्य अतिथि राज्य मंत्री श्री सोमेंद्र तोमर जी को भगवान शिव की तस्वीर भेंट की गई!'

'राज्य मंत्री श्री सोमेन्द्र तोमर' ने कहा मैं कावड सेवा शिविर के आयोजक गण को बहुत–बहुत बधाई देता हूं और मैं सौभाग्यशाली हूं कि आस्था के इस महा सैलाब में मुझे भी शिव भक्त कावड़ीयो की सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ आप लोगों के द्वारा निस्वार्थ भाव से जिस प्रकार से विभिन्न प्रदेशो से और शहरों से आए हुए कांवड़ियों की सेवा की जाती है यह बहुत सराहनीय कार्य है मैं सभी शिव भक्तों के मुजफ्फरनगर आगमन पर उनका ह्रदय कि गहराइयों से स्वागत करता हूं और जो भगवान् महादेव से प्रार्थना करता हूं कि भोले जो मनोकामना अपने मन में लेकर चले हो ईश्वर उन्हें पूरी करने की शक्ति उन्हे प्रदान करे ओर स्वर्गीय पूर्व मंत्री श्री चितरंजन स्वरूप जी कि प्रेरणा से जो ये सेवा शुरु की गई थी उसे आप लोगो के द्वारा आज भी उस सेवा को निरंतर चलाना उन्हे आप सबकी सच्ची श्रद्धांजलि है मै आपको ओर उनके पुत्रो को इस पुनीत कार्य की बहुत बहुत बधाई देता हू!

'राज्य मंत्री श्री कपिलदेव अग्रवाल' ने कहाँ की सावन का महीना सनातन धर्म का महा सैलाब है जिसमे सब भगवा रंग को धारण कर कावड उठाकर हिन्दु धर्म का परचम लहराते है इस प्रकार के शिविरो द्वारा शिव भक्त कावड़ियों की निशुल्क सेवा करना हिन्दु धर्म के आपसी भाई चारे को ओर मजबूत करते है मै सभी शिव भक्तो का मुज़फ्फरनगर आगमन पर हार्दिक स्वागत करता हू ओर स्वर्गीय मंत्री चितरंजन स्वरूप स्मृति विचार मंच को इस पुनीत कार्य की बधाई देता हू!

'नगर पालिका चौयरमेन मीनाक्षी स्वरूप ओर भाजपा नेता गौरव स्वरूप ने संयुक्त रूप' से मुख्य अतिथीगण ओर विशिष्ट अतिथि गण का कावड सेवा शिविर की ओर से आभार प्रकट किया ओर कहाँ मेरे स्वर्गीय पिताजी श्री चितरंजन स्वरूप जी 13 वर्ष पूर्व जो इस शिविर के माध्यम से शिव भक्त भोलो की सेवा का कार्य प्रारम्भ किया था उसे हम सब पूरा करने को हमेश प्रयासरत रहते है शिविर के आयोजक गण शलभ गुप्ता,जनार्दन विश्वकर्मा ओर उनकी पुरी टीम जो पिछले 13 वर्षो से लगातार हमारे परिवार का अंग बनकर जिम्मेदारी से निभाते आ रहे है सब बधाई के पात्र है!

'शलभ गुप्ता ओर जनार्दन विश्वकर्मा' ने कहा कि इस कावड सेवा शिविर को आदरणीय पूर्व मंत्री श्री चितरंजन स्वरूप जी को अपनी ओर श्रद्धांजलि अर्पित करना बताया ओर कहा स्वर्गीय मंत्री चितरंजन स्वरूप हमारे आदर्श थे उनके दिखाये रास्तो ओर सिद्धांतो पर चलने का हम प्रयास करते है आज वे हमारे बीच नही है परन्तु उनके सिद्धांत आज भी हमारे साथ है !

'मुज़फ्फरनगर मेडिकल कॉलेज का निशुल्क चिकित्सा सेवा मै विशेष सहयोग रहा!'

कावड़ सेवा शिविर मै कलाकार भोले द्वारा भगवान शंक 'के रूप मै शानदार नृत्य कर सबका मन मोह लिया ओर 'कावड़ियों कि ठंडे दूध की बोतले,फ्रूटी,जूस,मट्ठा,शिकंजी,ताहरी,मीठे चावल,लड्डू आदि की सेवा मंच की ओर से की गई!'

'सुधीर सैनी,भाजपा जिलाध्यक्ष,जिला पंचायत विरपाल निर्वाल,पूर्व विधायक अशोक कंसल आदि ने भी सम्बोधन किया'

मुख्य रूप से समाज के सम्मानित व्यक्ति पूर्व विधायक अशोक कंसल कृष्ण गोपाल मित्तल,शंकर स्वरूप,अनिल लोहिया,सुखबीर सिंह,अशोक सरीन,अरविन्द गोयल,कांति राठी,राजेंद्र प्रसाद गर्ग,अमित गुप्ता एडवोकेट,श्रवण अग्रवाल,वैभव त्यागी,विनीत धीमान,प्रवीण खेड़ा,नंद किशोर पाल,संजय मित्तल, श्री मोहन तायल,संजय मिश्रा,आशु गुप्ता,अक्षित अग्रवाल,दीपक मित्तल सर्राफ,मयंक बंसल,अरविन्द गोयल,मनोज वर्मा सभासद,राजीव शर्मा सभासद,विकल्प जैन सभासद पति,दीपक गोयल,अश्वनी शर्मा,सुमित गोयल,अजय अरोरा,रोबिन संगल,नवनीत गुप्ता सभासद,प्रशांत गौतम सभासद,अनिरुद्ध बलियान,,ममता बलियान सभासद,मनोज गुप्ता,सुनील तायल व्यापारी नेता,सौरभ गोयल,ऋतू त्यागी सभासद,देवेश कौशिक सभासद,ई. बी बी गुप्ता,राजीव मित्तल,आशु गुप्ता ,प्रमोद सभासद,रजत धीमान सभासद,सुन्दर सभासद,शौकत अंसारी सभासद,अन्नू कुरैशी सभासद, बबिता सभासद ,प्रशांत कुमार एडवोकेट,प्रमोद करनवाल,अंकुर गोयल,आकाश अभिलाष मित्तल एडवोकेट,सुखबीर सिंह,दिनेश जैन ठेकेदार,मनोज पाल,बिजेंदर पाल सभासद पति,विजय शुक्ला ,प्रदीप शर्मा,राजीव मोहन शर्मा,के पी सिंह,ठाकुर संदीप सिंह,विजय बाटा,अनिल तायल,दिनेश बंसल,राजेंदर सिंघल,अनुराग सिंघल,मुदित जैन,अंकुर जैन,सोनिया सिंघल,अलका शर्मा,रेनू गोयल,सूरज सिंघल,देवेंदर कुमार,सार्थक वशिष्ट,शेर सिंह,सत्य पाल सिंह,जनार्दन स्वरूप गर्ग मुज़फ्फरनगर मेडिकल कॉलेज से डॉक्टर अमृत राज,डॉक्टर गुरशरण कौर,जल सिंह निधि कश्यप,रविंदर कुमार,केशव सिंह,वंदना बिल्लू,शाहबाज़ ऋतिक आदि मौजूद रहे!

इतिहास से छेड़छाड़ में देश का नुकसान

–राजेश माहेश्वरी

एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की नई किताब में दिल्ली सल्तनत और मुगल शासन काल की नयी तस्वीर पेश की गई है। इसके जरिए विद्यार्थियों को समझाया जा रहा है कि यह इतिहास का अंधेरा दौर था। किताब में बाकायदा एक अस्वीकरण यानी डिस्क्लेमर दिया गया है, जिसमें लिखा है कि इतिहास के अंधेरे दौर के लिए आज किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहिए। यह अस्वीकरण काफी अहमकाना लगता है, क्योंकि इतिहास और वह भी सदियों पुराने इतिहास के लिए तो यूं भी किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। जो कुछ अतीत में घटा है, उसका तार्किक विश्लेषण करना, और गलतियों को न दोहराने का सबक लेना, इस मकसद के साथ इतिहास का पाठ किया जाना चाहिए। यह तभी हो सकता है जब इतिहास को संतुलित और संवेदनशील तरीके से पढ़ाया जाए। इतिहास इस अर्थ में जटिल होता है कि वहां अच्छे और बुरे, सही और गलत का सीधा विभाजन नहीं होता, इनके बीच कई ऐसे मुकाम होते हैं, जहां हालात घटनाओं की व्याख्या करते हैं। कभी कोई राजा अपना राज्य बचाने के लिए क्रूरता का सहारा लेता है और कभी किसी राजा की अकर्मण्यहीनता में प्रजा पिसती है। हिंसा, रक्तपात, कत्लेआम, इंसानों की सामान की तरह तिजारत ऐसी कई अमानवीय घटनाएं भारत समेत पूरे विश्व इतिहास में दर्ज हैं। खासकर मध्ययुग का इतिहास तो इन्हीं से अटा पड़ा है, क्योंकि तब तक इंसान ने सभ्यता और विकास के मायने समझ लिए थे। आग और पहिए के आविष्कार के बाद अन्य पशुओं से आगे इंसान निकल गया तो उसके जीवन में व्यापार, धर्म और सियासत के लिए जगह बनने लगी। उस दौर में न कोई संविधान था, न आज की तरह का लोकतंत्र था, इसलिए नैतिकता के मापदंड भी अलग थे। तब की घटनाओं की व्याख्या आज के परिप्रेक्ष्य में नहीं की जा सकती। मगर मोदी सरकार इस काम को भी मुमकिन बनाने में लगी है। दरअसल 2014 के बाद इतिहास के पुनर्लेखन पर ऐलानिया काम शुरु हो चुका है। इससे पहले जब भाजपा विपक्ष में थी, या उससे पहले जब बाजपेयी सरकार थी, तब भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच के मुताबिक ही भारतीय इतिहास का भगवाकरण करने की चाह भाजपा की रही, लेकिन उसे अमल में लाने का दुस्साहस कभी नहीं हुआ। अब चूंकि मोदी सरकार का तीसरा कार्यकाल चल रहा है, तो भाजपा को यह गुमान है कि उसकी सत्ता भारत में स्थायी हो चुकी है, इसलिए अब इतिहास को बदलने पर काम शुरु हो गया है। एनसीईआरटी की किताबों को इसका जरिया बनाया गया है। क्योंकि इसके जरिए नयी पीढ़ी के दिमाग में जहर बोने का काम आसानी से होगा। कोई आरोप लगाए तो उसे किताब का डिस्क्लेमर दिखाया जाएगा। 2025–26 सत्र के लिए प्रकाशित की गयी कक्षा 8 की नई किताब एक्सप्लोरिंग सोसाइटी इंडिया एंड बियॉड (भाग 1) में बाबर, अकबर, औरंगजेब सभी को बेहद क्रूर, निर्दयी शासकों की तरह पेश किया गया है, जिन्होंने हिंदुओं के मंदिर तोड़े, उन पर जजिया कर लगाया और औरतों–बच्चों को बेरहमी से मारा। इसलिए इस पूरे काल के लिए अंधेरे शब्द का इस्तेमाल किया गया है। हालांकि इस अंधेरे दौर में ही रामचरित मानस लिखी गई और इसी दौर में विश्वप्रसिद्ध ताजमहल भी बना, जिसे देखने दुनिया भर के सैलानी आज भी आते हैं। भूमि की नापजोख से लेकर राग रागिनियों की रचना, खान–पान, पोशाकों पर प्रयोग सब इसी दौर में हुए। सबसे बड़ी बात यह कि जिस अंधेरे दौर का जिक्र कर मुगल शासकों पर आततायी होने का इल्जाम लगाया जा रहा है, और हिंदुओं के लिए उसे खतरे की तरह बताया जा रहा है, उस काल के गुजरने के बाद भी देश में हिंदू बहुसंख्यक हैं और मुस्लिम अल्पसंख्यक। 1526 से लेकर 1857 तक मुगलकाल 331 साल तक चला, इतने लंबे वक्त में तो भारतीय समाज की धार्मिक पहचान आसानी से बदल सकती थी। जैसा कि किताब में दावा है कि जजिया अपमानजनक कर था, जो गैर–मुस्लिमों पर धर्मांतरण के लिए दबाव बनाने के उद्देश्य से लगाया जाता था। इस किताब में मंदिरों और गुरुद्वारों को तोड़ने का इल्जाम भी मुगल शासकों पर लगा। यह सब सौ फीसदी सच होता तो देश में न चार–पांच सौ साल पुराने मंदिर बचे होते, न हिंदुओं की आबादी मुस्लिमों से अधिक होती। दरअसल जो कुछ किताब में लिखा है, वह तस्वीर का एक ही पहलू है। इसमें कोई दो राय नहीं कि अकबर ने युद्ध नहीं किए या औरंगजेब ने मंदिरों को नष्ट नहीं किया। लेकिन औरंगजेब ने मंदिरों को दान भी दिए।

और अकबर ने जजिया कर को खत्म किया, इसके बाद धार्मिक एकता और सहिष्णुता बढ़ाने के लिए सुलह कुल नीति चलायी, जिसकी तारीफ खुद छत्रपति शिवाजी ने की है। उन्होंने लिखा कि अकबर ने 52 साल तक सभी समुदायोंकृईसाई, ब्राह्मण, जैन, सिखकृपर समान कृपा बरसाई, जिसके कारण उन्हें श्जगतगुरुश कहा गया। तो क्या अब एनसीईआरटी में इतिहास बदलने के लिए बैठे महानुभाव बताएंगे कि क्या शिवाजी भी अकबर के बारे में गलत थे।

गीतः सावन ऋतु

गोरी करले तो श्रृंगार,
सावन की ऋतु है आई।
सखी गए कजरी मल्हार,
सावन की ऋतु है आई।।
सावन की ऋतु है आई,
घनघोर घट है छाई ।
मीठी मीठी पड़े फुहार,
सावन क्वांटिटी है आई।।
माथे पर बिंदिया चमके,
बेंदा भी साथ में दमके।
कुहू कोयल रही पुकार,
सावन की ऋतु है आई।।
हाथों में चूड़ी खनके,
पैरों में झांझर झनके।
मतवारी तेरी चाल,
सावन की ऋतु है आई।।
सजधज के गोरी निकली,
बगिया में झूरा डारी ।
झूले सारी सखियां साथ,
सावन की ऋतु है आलि।।

'–संगीता वर्मानी 'साध्या'–'
'देहरादून, उत्तराखंड'

श्रिया पिलगांवकर

सबके लिए लग्जरी नियम नहीं होते, हेल्दी लाइफ के लिए काम के घंटे तय होने चाहिए

एक्ट्रेस श्रिया पिलगांवकर ने श्नवभारत टाइम्सश से 8 घंटे की शिफ्ट पर विवाद के अलावा स्टार किड्स के लिए मौकों पर बात की। श्रिया ने कहा कि स्टार किड्स होना इंडस्ट्री में सफलता की गारंटी नहीं है। 8 घंटे की शिफ्ट पर क्या बोलीं, पढ़िएरू ज्यादातर स्टार किड्स को उनके माता–पिता के नाम से जाना जाता है, लेकिन श्रिया पिलगांवकर ने इंडस्ट्री में अपनी जगह खुद बनाई है। हालांकि उनके माता–पिता सचिन पिलगांवकर और सुप्रिया पिलगांवकर इंडस्ट्री में बड़ा नाम हैं, लेकिन श्रेया ने कभी इसे सफलता की गारंटी नहीं माना। पेश है उनके साथ खास बातचीतरू आप ज्यादातर थ्रिलर जॉनर के प्रोजेक्ट्स में काम करती आई हैं, क्या आपको थ्रिलर जॉनर ही पसंद है या इंडस्ट्री में आपको ऐसे ही ऑफर मिलते रहे हैं? श्रिया पिलगांवकर बोलीं– दरअसल, मुझे रोमांटिक लव स्टोरीज से बहुत प्यार है, (हंसते) लेकिन बतौर एक्ट्रेस मुझे ज्यादातर थ्रिलर ऑफर हुई हैं, तो मैं क्या करूं। मैं बहुत चाहती हूं कि रोम–कॉम करूं, लव स्टोरीज करूं, मैं कुछ कॉमेडी करना चाहती हूं, पर उसे करने का ज्यादा मौका मिला नहीं है। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री का एक दौर होता है, जब किसी जॉनर को ज्यादा महत्व दिया जाता है, तो मुझे लगता है कि रोम–कॉम, कॉमेडी से ज्यादा अभी थ्रिलर, ड्रामा अधिक बन रहे हैं। लेकिन मैं खुश हूं कि मुझे जिस तरह अलग–अलग किरदार करने का मौका मिला है, चाहे वो वकील का हो, सेक्स वर्कर को हो या फिर पुलिस अधिकारी का हो, उससे बहुत कुछ सीखने का मौका मिलता है। जलालुद्दीन छांगुर बाबा को नेपाल के जरिए 300 करोड़ की विदेशी फंडिंग मिली, ध र्मांतरण केस में बड़ा खुलासा देश के सबसे युवा पै की बीवी हैं खूबसूरती की मलिका, साड़ी तो कभी ड्रेस में वाइजा बिखेरती हैं जलवा हीरों से लदीं 44 साल की किम कार्दशियन ने चुरा लिया विदेशी एक्ट्रेस का लुक, फिर भी लगीं सुपरहिट आपने जितने भी किरदार किए हैं, उसमें एक मजबूत महिला रही हैं। निजी जिंदगी में आप कितनी मजबूत हैं? (हंसते हुए) कुछ दिन होते हैं, जब मैं बहुत मजबूत महसूस करती हूं, कुछ दिन होते हैं जब मैं स्ट्रॉन्ग महसूस नहीं करती हूं, लेकिन मुझे लगता है कि ताकत उसी में है कि आप अपनी कमियां और ताकत दोनों को अपनाएं। बिल्कुल मेरी एक इमोशनल स्ट्रेंथ है, जहां मुझे लगता है कि मैं मजबूत हूं और मुझमें आत्मविश्वास है। लेकिन हर इंसान हमेशा ऐसा नहीं हो पाता। बतौर एक्टर मुझे लगता है कि हम कभी–कभी एक शब्द से ही किरदार को डिफाइन कर देते हैं, जबकि उन किरदारों में और भी बहुत कुछ होता है, जिसे एक शब्द से परिभाषित नहीं किया जा सकता। सबके लिए लग्जरी नियम नहीं होते। दीपिका ने जो कहा है वो गलत नहीं है। उनकी जिंदगी में क्या स्थिति और जरूरत है, उनकी बेटी हुई है, उसके हिसाब से ये ठीक है। आजकल फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के घंटे कितने हों इसकी काफी बात हो रही है। दीपिका पादुकोण की वजह से ये मुद्दा अभी उठा है लेकिन पहले भी इस पर बात होती रही है। आपका इस बारे में क्या सोचना है? दरअसल, दीपिका वाले मामले में जिस वजह से वो कहा गया था, वो एकदम अलग मामला है। मुझे लगता है कि हमारे यहां पर काम के घंटे को लेकर बने नियम उतने सख्ती से फॉलो नहीं किए जाते, जितने किए जाने चाहिए। मैं अभी तक उस मुकाम पर नहीं पहुंची हूं, जहां मैं कह सकूं कि मैं इतने घंटे काम करूंगी या इतने घंटे नहीं करूंगी। लेकिन इतना मैं समझती हूं कि खासतौर पर पोस्ट डिलिवरी और मां होने पर उन पलों को जीने के लिए ये जरूरी है कि आप उतना वक्त निकालें। यहां सही वाला जवाब नहीं है, लेकिन हेल्दी और प्रोफेशनल लाइफ में एक समय सीमा तय होना जरूरी है। हमारी इंडस्ट्री में इसको लेकर कोई नियम कायदे नहीं हैं और सच कहूं तो मुझे नहीं लगता कि ऐसा कुछ हो भी पाएगा। आप किस स्तर के स्टार हैं, ये उस चीज पर निर्भर करता है। सबके लिए लग्जरी नियम नहीं होते। मुझे लगता है कि दीपिका पादुकोण ने जो कहा है वो गलत नहीं है। उनकी जिंदगी में क्या स्थिति और जरूरत है, उनकी बेटी हुई है, उसके हिसाब से ये ठीक है। एक दो मौके स्टार किड्स की वजह से मिलेंगे लेकिन आगे तो आपको खुद ही सब कुछ करना होता है। लंबे समय से स्टार किड्स पर बात हो रही है। क्या आपको इसका फायदा मिला है, आपका इस बारे में क्या सोचना है? बिल्कुल इसमें कोई दो राय नहीं है कि आप अगर स्टार किड्स हैं तो आपको प्रिवलेज मिलता है। लेकिन वो मदद सफलता की गारंटी नहीं होती। मेरी बाकी स्टार किड्स की जर्नी पर कोई कमेंट नहीं करूंगी। पर इसका मतलब ये नहीं है कि प्रिवलेज नहीं है, बिल्कुल स्टार किड्स होने के नाते मेरे लिए भी ये एक प्रिवलेज है, मेरे पापा और मम्मी का अनुभव मुझे मदद करता है, लेकिन आखिर में आपको खुद को साबित करना होता है। आज शाहरुख खान, इरफान खान, अभय वर्मा, जयदीप अहलावत ये सब एक्टर्स ने बिना कोई फिल्मी बैकग्राउंड के अपना नाम बनाया है। तो वहीं इंडस्ट्री के स्टार किड्स भी मौजूद हैं। एक दो मौके स्टार किड्स की वजह से मिलेंगे लेकिन आगे तो आपको खुद ही सब कुछ करना होता है। आपकी वेब सीरीज श्छल कपटश के बारे में बताएं? ये एक मर्डर मिस्ट्री जॉनर की वेब सीरीज है। मैं निजी तौर पर बचपन से ही इस जॉनर को काफी पसंद करती हूं। मैं पहली बार एक पुलिस अधिकारी का रोल अदा कर रही हूं। और जब आप वो वर्दी पहनते हैं, तो एक अलग तरह की जिम्मेदारी का अहसास होता है, आपको एक शक्ति फील होती है। मुझे इसे करने में बहुत मजा आया क्योंकि ये जो कहानी है, इसमें दिखाया गया है कि शादी के घर में मर्डर हुआ है, उसमें दोस्तों की भी कहानी है, उनके बीच तनाव की भी कहानी है, और उसी समय में मेरी देविका राठौड़ की कहानी भी दिखती है।

ऐश्वर्या राय की हमशक्ल स्नेहा उल्लाल को देख लोग कन्फ्यूज, पूछ रहे आराध्या का हाल चाल

स्नेहा उल्लाल ने सलमान खान की फिल्म लकी नो टाइम फॉर लव से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। स्नेहा की ये फिल्म तो बॉक्स ऑफिस पर खास परफॉर्म नहीं कर पाई थी लेकिन वह लोगों के बीच ऐश्वर्या राय की हमशक्ल के नाम से मशहूर हो गई थीं।अब एक्ट्रेस की लेटेस्ट तस्वीरों ने एक बार फिर लोगों की कंफ्यूजन बढ़ा दी है और लोग उन्हें ऐश्वर्या राय समझकर आराध्या कर हाल–चाल पूछ रहे हैं। दरअसल, स्नेहा ने अपने इंस्टा अकाउंट पर गोवा में अपनी वेकेशन की लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। वे किसी कैफे में विगन फूड एंजॉय करती नजर आ रही हैं। लुक की बात करें तो फोटोज में स्नेहा स्काई ब्लू कलर की शॉर्ट ड्रेस में बेहद प्यारी लग रही हैं। उन्होंने अपनी जुल्फों को खुला छोड़ा था। इसके साथ व्हाइट कलर का हैट भी लगाया।एक्ट्रेस इस लुक में हूबहू ऐश्वर्या लग रही थीं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं और लोग उन्हें ऐश्वर्या राय समझ रहे हैं। कई यूजर ने स्नेहा की तस्वीरों पर कमेंट कर उन्हें ऐश्वर्या राय समझकर आराध्या के बारे में पूछा है। एक यूजर ने लिखा, आराध्या कैसी है? एक और ने लिखा–आप ऐश्वर्या राय जैसी दिखने लग गई हो। स्नेहा उल्लाल, सलमान खान की बहन अर्पिता खान की दोस्त हैं। साल 2000 की शुरुआत में, सलमान खान मुश्किल दौर से गुजर रहे थे। ऐश्वर्या राय से ब्रेकअप के बाद वह अपनी अगली फिल्म के लिए हीरोइन की तलाश में थे तभी अर्पिता ने स्नेहा उल्लाल की सिफारिश की थी। इसके बाद स्नेहा उल्लाल ने सलमान खान की रोमांटिक ड्रामा फिल्म लकी नो टाइम फॉर लव (2005) से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी हालांकि सोहेल खान द्वारा निर्देशित ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी।

अजय देवगन अपने एक अनोखे डांस स्टेप की वजह से चर्चा में हैं। जब से उनकी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' का गाना श्पहला तू दूजा तूश रिलीज हुआ है, तब से उनके श्फिंगर डांसश को लेकर सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई है। इस स्टेप का लोग जमकर मजाक बना रहे हैं। अब काजोल ने भी पति के इस वायरल डांस स्टेप पर अपना रिएक्शन दिया है। मिस मालिनी चौनल से बात करते हुए काजोल ने मजाकिया लहजे में कहा, मुझे लगता है कि अजय फिल्म इंडस्ट्री के सबसे अच्छे डांसरों में से एक हैं। क्योंकि वो इकलौते इंसान हैं, जो अपनी उंगलियों से डांस कर सकते हैं। पहले होता था कि एक्टर चल के आते थे, तो म्यूजिक उसके हिसाब से बनता था। अभी तो सिर्फ उंगलियों से कर रहे हैं। एक, दो, तीन, चार...मुझे लगता है कि वो फिल्म इंडस्ट्री में सबसे स्मार्ट डांसर्स में से एक हैं।श वहीं, 'सन ऑफ सरदार 2' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान जब अजय से उनके स्टेप को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा– श्आप लोग मेरा मजाक उड़ाते हो। मेरे लिए ये स्टेप भी करना मुश्किल था। मैंने कर दिया है, इसके लिए आप सबको मेरा शुक्रगुजार होना चाहिए। हालांकि ये पहली बार नहीं है, जब अजय ने अपने डांस से सबको हैरान कर दिया है।

साउथ सिनेमा की फिमेल सुपरस्टार नयनतारा अपनी फिल्मों के अलावा पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में बनी रहती हैं. पिछले दिनों से ये खबर सामने आ रही हैं कि वो पति विग्नेश शिवन से तलाक लेकर अलग होने वाली हैं. इन खबरों पर एक्ट्रेस ने खुद चुप्पी तोड़ी और अफवाह फैलाने वालों को करारा जबाव दिया. तलाक की खबरों पर क्या बोलीं नयनतारा? दरअसल कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर एक फर्जी स्क्रीनशॉट वायरल हो रहा है. जिसमें नयनतारा अपनी शादी को बड़ी गलती बताती नजर आई. इसके बाद से ही ये खबरें उड़ने लगी कि उनकी शादी में दिक्कत चल रही और एक्ट्रेस पति विग्नेश से तलाक लेने वाली हैं. अब इन अफवाहों का जवाब नयनतारा ने एक पोस्ट शेयर कर दिया है. पति विग्नेश शिवन संग तलाक की खबरों पर नयनतारा ने तोड़ी चुप्पी, सोशल मीडिया पर यूं दिया करारा जबाव एक्ट्रेस ने पोस्ट से दिया करारा जवाब नयनतारा ने ये पोस्ट अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर शेयर की है. जिसमें वो पति विग्नेश के साथ नजर आई और दोनों अजीब और हैरानी वाला रिएक्शन देते दिखे. इसे शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा कि, 'हमारा रिएक्शन३ जब हम अपने बारे में अजीबो–गरीब खबरें देखते हैं..' पति विग्नेश शिवन संग तलाक की खबरों पर नयनतारा ने तोड़ी चुप्पी, सोशल मीडिया पर यूं दिया करारा जबाव दो बच्चों के पेरेंट्स हैं।

छोले के साथ बेहद टेस्टी लगता है अमृतसरी कुलचा, तवे पर बनाने के लिए फॉलो करें ये रेसिपी

अगर आप भी लंच में कुछ चटपटा बनाकर खाना चाहते हैं तो छोलों के साथ ट्राई करें अमृतसरी कुलचा की ये टेस्टी रेसिपी। इस रेसिपी की खासियत यह है कि यह टेस्टी होने के साथ बनाने में भी बेहद आसान है। इसे बनाने के लिए आपको तंदूर की जरूरत भी नहीं पड़ती है। आप इन कुलचों को तवे पर भी तैयार कर सकते हैं। तो आइए बिना देर किए झटपट जान लेते हैं क्या है अमृतसरी कुलचा बनाने की रेसिपी।

अमृतसरी कुलचा बनाने के लिए सामग्री–

कुलचे के डो के लिए–

–1 किलो मैदा

–400 मिली. पानी

–एक चुटकी नमक

–100 मिली कनोला ऑयल

फीलिंग बनाने के लिए–

–1 कप प्याज कटा हुआ

–1/2 किलो आलू

–2 छोटे चम्मच साबुत धनिया रोस्ट और क्रश्ड किया हुआ

–2 छोटे चम्मच अदरक टुकड़ों में कटा हुआ

–थोड़ा सा हरा धनिया टुकड़ों में कटा हुआ

–1 हरी मिर्च कटी हुई

–1 टेबल स्पून अनारदाना क्रश्ड किया हुआ

–नींबू का रस

अमृतसरी कुलचा बनाने का तरीका–

अमृतसरी कुलचा बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में मैदा और नमक डालकर उसका आटा गूंथकर उसे गीले कपड़े से ढककर एक घंटे के लिए अलग रख दें। अब कुलचे की फीलिंग तैयार करने के लिए कनोला ऑयल को छोड़कर सभी सामग्री अच्छी तरह मिलाकर सीजनिंग चेक कर लें। अब अपनी हथेलियों और उगंलियों पर तेल लगाकर आटे की छोटी–छोटी लोईयां बना लें। इन लोईयों में फीलिंग भरकर उसे पतला करते हुए बेलन की मदद से इसके किनारों को पतला कर लें। अब एक नॉनस्टिक पैन गर्म करके उसके किनारों पर कनोला ऑयल लगाते हुए कुल्चे को दोनों तरफ से अच्छी तरह सेक लें। आपका टेस्टी अमृतसरी कुलचा बनकर तैयार है।

बच्चों के लिए बनाएं टेस्टी मसाला पराठा, दही के साथ लगते हैं लाजवाब

बच्चों को हर दो से तीन घंटे में कुछ ना कुछ खाने की जरूरत होती है। क्योंकि वो ज्यादा एनर्जी वेस्ट करते हैं और भूख जल्दी लग जाती है। ऐसे में उन्हें पोषक तत्वों से भरपूर चीजें देने के साथ ही कुछ ऐसा फूड खिलाना चाहिए जो उनके पेट को देर तक भरा रखे। अगर बच्चे शाम के नाश्ते में बाहर का चटपटा

खाने की डिमांड करते हैं तो उन्हें मसाला पराठा फटाफट बनाकर खिला सकते हैं। साथ ही इसे बनाने में ज्यादा वक्त भी नहीं लगता। तो चलिए जानें कैसे फटाफट आप मसाला पराठा बना सकती है। आप चाहें तो इसे वीकेंड पर ब्रेकफास्ट में भी रेडी कर सकती हैं। बच्चे–बड़े सब इसे दही या रायता के साथ खाना पसंद करेंगे।

मसाला पराठा बनाने की सामग्री

गेहूं का आटा 1 कप

बारीक कटी धनिया दो से तीन चम्मच

बारीक कटी हरी मिर्च एक

चाट मसाला एक चम्मच

भुनी धनिया का पाउडर

भुना जीरा पाउडर

थोड़ी सी लाल मिर्च

कलौंजी या मंगरैल

मसाला पराठा बनाने की विधि

सबसे पहले पराठे के लिए आटा गूंथ लें। अब इस आटे की लोई बनाकर रोटी बेल लें। अब इस बेली रोटी पर घी या बटर लगाएं। फिर इसके ऊपर मसालों को छिड़कें। कलौंजी, धनिया पत्ती, लाल मिर्च, चाट मसाला, थोड़ा सा नमक, भुना जीरा, भुनी धनिया का पाउडर छिड़ककर चम्मच से फैला दें। अब इस रोटी के एक चौथाई हिस्से पर कट लगाएं और इसे पराठे के ट्राएंगल शेप में मोड़ दें और बेल लें। अब तवे को गर्म करें और पराठे को डालें। जब ये सिंकने लगे तो घी लगाकर दोनों तरफ से खूब दबा–दबाकर सेंक लें। बस तैयार है टेस्टी मसाला पराठा। आप चाहें तो इसमे मसालों को बढ़ा या घटा सकती हैं बच्चों की पसंद के मुताबिख बस तैयार गर्मागर्म पराठों को दही, रायता या चटनी के साथ सर्व करें। वैसे बच्चे इसे ऐसे ही खाना भी खूब पसंद करते हैं।

बच्चे की दूध की बोतल ऐसे करें साफ, वरना बढ़ सकता है इंफेक्शन का खतरा

नवजात शिशु के संपूर्ण विकास के लिए उसकी मां का दूध ही सर्वोत्तम आहार माना गया है। लेकिन अगर किसी वजह से बच्चे के लिए मां का दूध पूरा नहीं हो पाता तो माएं उसे बोतल से दूध पिलाना शुरू कर देती हैं। लेकिन अगर बच्चे को फीड करवाने के बाद बोतल को सही तरीके से साफ और स्टेरलाइज ना किया जाए तो इससे बच्चे के संक्रमित होकर बीमार होने की संभावना काफी ज्यादा बढ़ जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि नवजात शिशु बाकी लोगों की तुलना में रोगाणु, बैक्टीरिया, वायरस और अन्य सूक्ष्मजीवों के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने बच्चे को बोतल से फीड करवा रही हैं तो उसे सेहतमंद बनाए रखने के लिए जान लें क्या है उसकी दूध की बोतल को साफ करने का सही तरीका।

गर्म पानी से धोएं दूध की बोतल–

इस उपाय को अपनाने के लिए सबसे पहले बच्चे की बोतल को खोलकर अच्छी तरह साफ करने के बाद एक बड़े पैन में पानी डालकर उसमें 5 मिनट तक उबलने के लिए रख दें। इस बात का ध्यान रखें कि बोतल के सभी हिस्से पानी में अच्छी तरह से डूब जाएं। इसके बाद पानी ठंडा होने पर बोतल के हिस्सों को निकाल लें। अब इन्हें दूसरे ठंडे पानी से धो लें और बोतल के हिस्सों को हवा में सूखने दें।

ब्लीच की लें मदद–

बच्चे की दूध की बोतल को डिसइंफेक्ट करने का ब्लीच भी एक असरदार उपाय हो सकता है। इस उपाय को करने के लिए आप सबसे पहले 10–12 कप पानी में 2 चम्मच ब्लीच मिलाएं। अब बोतल को खोलकर उसके सभी हिस्सों को ब्लीच के पानी में 5 मिनट तक डाल दें। ध्यान रखें, इसके बाद बोतल को सामान्य पानी से साफ न करें वरना बोतल में कीटाणु पनप सकते हैं। बोतल को यूज करने से पहले उसे हवा में सूखने दें।

बचे दूध को बोतल में ही रखा न छोड़ें–नवजात शिशु को बोतल से दूध पिलाने के बाद बचे हुए दूध को कभी भी बोतल में ऐसे ही ना छोड़ें। बच्चे को हर बार दूध पिलाते ही तुरंत बचे हुए दूध को बोतल से निकालकर धो दें।

ब्रश का उपयोग–

आप बच्चे की बोतल को साफ करने के लिए उसके सभी हिस्सों को गर्म और साबुन के पानी से भी धो सकते हैं। इसके लिए आप ब्रश की सहायता भी ले सकती हैं। बोतल धोने के बाद उन्हें हवा में सूखने के लिए छोड़ दें।

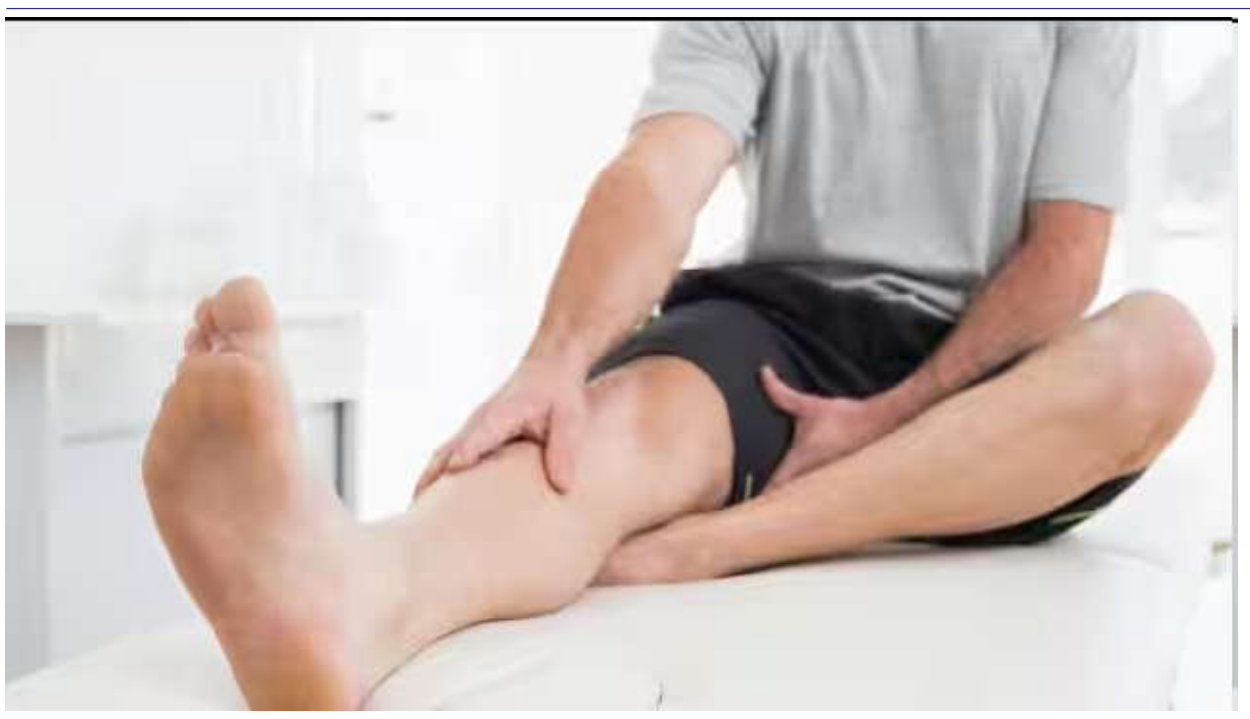

40 के बाद ये आदतें बिगाड़ देती हैं पैरों की सेहत, होने लगती हैं समस्याएं

40 के बाद फिजिकल हेल्थ का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। क्योंकि ज्यादातर बीमारियों का अटैक इसी एज में होना शुरू हो जाता है। हाई बीपी और डायबिटीज के साथ ही हड्डियों की डेंसिटी कम होने लगती है। जिसकी वजह से ज्वाइंट्स में दर्द होने लगता है। कई बार तो फिटनेस रूटीन को स्ट्रिक्टली फॉलो करने के बाद भी पैरों में दर्द की शिकायत रहती है। खासतौर पर ये समस्या 40 की उम्र पार करने के दौरान ये दर्द बढ़ जाता है। जिसकी वजह फिटिनेस रूटीन की कुछ गलत आदते हैं। जिन्हें छोड़ देने में ही भलाई है।

लेग्स की ओवरट्रेनिंग

बहुत सारे फिटनेस फ्रीक लोग पैरों की एक्सरसाइज पर ज्यादा ध्यान देते हैं और ओवर ट्रेनिंग करने लगते हैं। जिसकी वजह से पैरों में थकान, कमजोरी, चोट और मांसपेशियों में खिंचाव हो जाता है। ऐसे में जरूरी है कि अपने शरीर की सुनें और चोट लगने या दर्द होने पर पैरों को राहत दें। नहीं तो ये समस्या उम्र के साथ बढ़ सकती है।

स्ट्रेचिंग ना करना

फिटनेस फ्रीक लोगों के लिए कॉर्डियो और वेट लिफ्टिंग सबसे अहम एक्सरसाइज होती है। लेकिन फिट रहने के लिए और एक्सरसाइज शुरू करने से पहले स्ट्रेचिंग सबसे जरूरी है। ये बिल्कुल बेसिक एक्सरसाइज होती है जिसे अधिकतर लोग स्किप कर देते हैं और हल्के में लेते हैं। लेकिन स्टडी के मुताबिक स्ट्रेचिंग ना केवल चोट और मसल्स में खिंचाव से बचाता है बल्कि शरीर की फ्लेक्सिबिलिटी को मेंटेन करता है।

कठिन एक्सरसाइज करना

फिटनेस को मेंटन करने के लिए रनिंग बहुत अच्छी एक्सरसाइज है। लेकिन 40 के बाद हाई इंटेसिव एक्सरसाइज करने से बचें। इसमे रनिंग भी शामिल है। दौड़ने से पैरों और घुटनों पर ज्यादा प्रेशर पड़ता है। इसलिए रनिंग के लिए अच्छे रनिंग शूज के साथ ही अच्छे जॉगिंग ट्रैक की भी जरूरत होती है। इसे इग्नोर करना पैरों की सेहत पर असर डालता है।

ना करें पैरों के दर्द को इग्नोर

अगर शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द हो रहा है तो उसे इग्नोर ना करें। पैरों में दर्द है तो वर्कआउट को छोड़कर किसी प्रोफेशनल से सलाह लें और इस दर्द को ठीक करने का काम करें। मसल्स की चोट को ठीक करना जरूरी है नहीं तो ये फ्यूजर में दर्द को बढ़ा सकती है।

क्या आपको भी है यूरिन रोककर बैठे रहने की आदत ? नुकसान जान लें वरना पछताएंगे

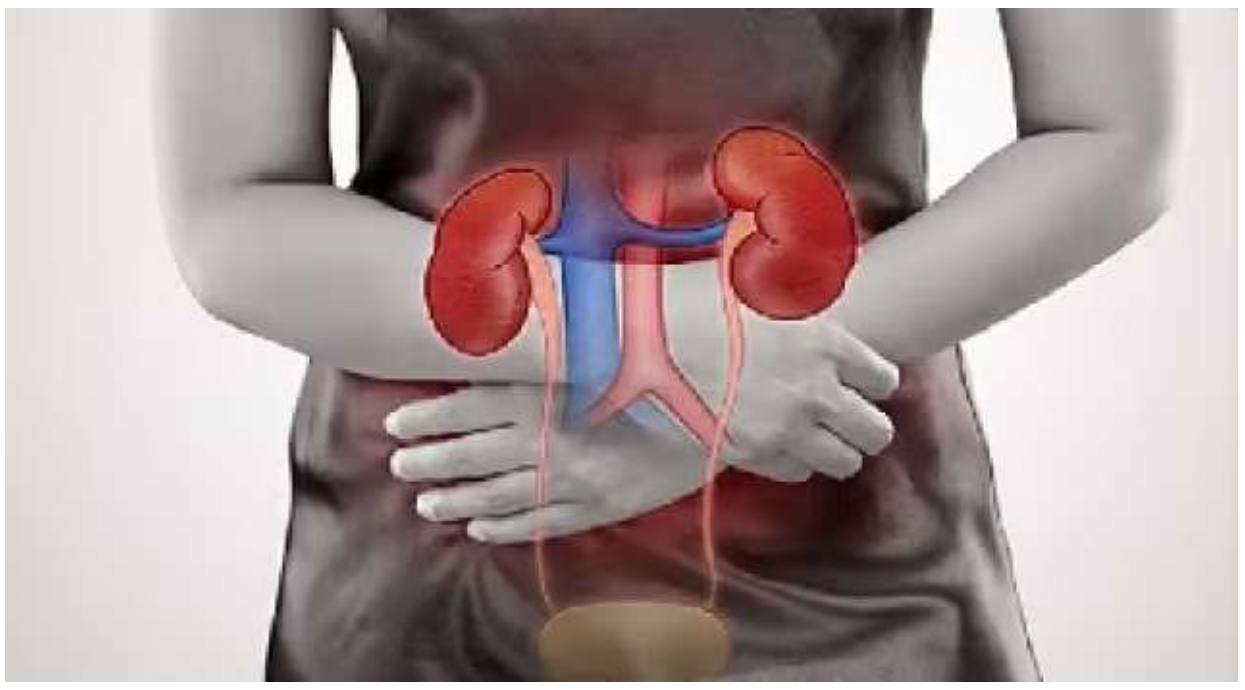

क्या आप भी ट्रेवलिंग के दौरान, ऑफिस मीटिंग या किसी और वजह से घंटों अपना यूरिन रोककर बैठे रहते हैं? अगर जवाब हां है तो अपनी यूरिन रोककर बैठे रहने की आदत तुरंत बदल डालिए। आपके ऐसा करने से आप अनजाने में ही सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को न्यौता दे रहे होते हैं। आइए जानते हैं घंटों यूरिन रोककर बैठे रहने से सेहत को होते हैं क्या नुकसान।

पेशाब रोककर बैठे रहने से होते हैं ये नुकसान–

–व्यक्ति के ब्लैडर में कई अपशिष्ट पदार्थ मौजूद होते हैं, जो अगर यूरिन की मदद से समय पर शरीर से बाहर नहीं निकलते तो किडनी और ब्लैडर को डैमेज कर सकते हैं। ज्यादा देर तक यूरिन रोककर बैठने पर थैली पर प्रेशर पड़ता है जिससे ब्लैडर की मांसपेशियां कमजोर होती हैं, कई बार तो ये फट भी जाती हैं।

–पेशाब को देर तक रोककर बैठने से व्यक्ति को यूटीआई इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ सकता है। पेशाब शरीर का डिटॉक्सीफाइंग प्रोसेस है लेकिन जब व्यक्ति इसे रोकता है तो ये बैड बैक्टीरिया को शरीर में बढ़ाने का काम करता है। जिसकी वजह से शरीर का पीएच बैलेंस बिगड़ जाता है और उसे यूटीआई इंफेक्शन की समस्या परेशान करने लगती है।

–देर तक पेशाब रोकने से किडनी की सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है। अधिक समय तक पेशाब रोकने से शरीर का फिल्टर प्रोसेस खराब हो जाता है और व्यक्ति को किडनी से जुड़ी समस्याएं जैसे– पीठ दर्द, पेट के निचले हिस्से और पसलियों में दर्द होना,त्वचा में खुजली, सूखापन होने लगती हैं।

–लंबे समय तक पेशाब रोकने से आपको यूरिनरी रिटेंशन की समस्या भी परेशान कर सकती है। यह वह स्थिति होती है जब मूत्राशय पूरी तरह से खाली नहीं हो पाता और पीड़ित को दर्द और असुविधा के साथ पेशाब करने में परेशानी होने लगती है।

–ज्यादा देर तक पेशाब रोककर बैठे रहने से पेशाब में जलन और दर्द महसूस हो सकता है।

–पेशाब को ज्यादा देर रोककर रखने से मूत्राशय की दिवारे कमजोर होने लगती है। ऐसा लंबे समय तक होने पर ब्लैडर डैमेज होने का खतरा बना रहता है। जो बाद में यूरिन लीक होने का कारण भी बन सकता है।

घर पर बनाएं बादाम-पिस्ता बिस्कुट, खाकर आ जाएगा मजा

बादाम–पिस्ता बिस्कुट को चाय या फिर कॉफी के साथ खाया जा सकता है। यह बिस्कुट बिना अंडे के तैयार होते हैं इसलिए हर कोई इनका लुत्फ उठा सकता है। इसके अलावा ये बिस्कुट मैदा की जगह आटे से तैयार होते हैं। ऐसे में ये और भी ज्यादा हेल्दी हैं। आप एक ही बार में खूब सारे बिस्कुट बना सकते हैं और फिर इन्हें एयरटाइट कंटेनर में कुछ हफ्तों के लिए स्टोर कर सकते हैं। यहां जानिए इन बिस्कुट की रेसिपी–

बिस्कुट बनाने के लिए आपको चाहिए...

2 कप गेहूं का आटा

2/4 कप रवा

2/4 कप ओट्स का आटा

2 छोटा चम्मच इलायची पाउडर

1 कप गुड़

7–10 बड़े चम्मच घी

10–15 बड़े चम्मच दूध

2/4 कप कटे हुए बादाम और पिस्ता

2 छोटा चम्मच बेकिंग पाउडर

कैसे बनाएं : इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में गुड़, घी और दूध को अच्छे से उबाल लें। ताकी गुड़ पिघल जाए। फिर एक बर्तन में गेहूं का आटा, रवा और ओट्स का आटा लें। फिर इसमें इलायची पाउडर, बारीक कटे बादाम और पिस्ता, बेकिंग पाउडर डालें। इसमें गुड़ का घोल भी डालें और अच्छे से मिक्स करें। अब हाथों पर घी लगाएं और इस मिश्रण के छोटे–छोटे टुकड़े लें और फिर गोल करें। इसे चपटा करें और फिर हल्के हाथों से कोई शेप दें। अप एक ट्रे पर बटर पेपर बिछाएं और सभी बिस्कुट इसी पर रखें। अब बिस्कुट को 180 डिग्री सेल्सियस पर 20 मिनट के लिए पहले से गरम ओवन में बेक करें।

संक्षिप्त

ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में ED का एक्शन, गूगल और मेटा को भेजा नोटिस

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामलों की जाँच के सिलसिले में तकनीकी दिग्गज गूगल और मेटा को नोटिस जारी कर उन्हें 21 जुलाई को पूछताछ के लिए तलब किया है। यह कदम जाँच के एक महत्वपूर्ण विस्तार का संकेत देता है, जिसमें पहले ही कई मशहूर हस्तियों और प्रभावशाली लोगों को कथित अवैध जुआ प्लेटफार्मों को बढ़ावा देने के आरोप में जाँच के घेरे में देखा जा चुका है। ईडी ने गूगल और मेटा दोनों पर उन सट्टेबाजी ऐप्स के प्रचार में सक्रिय रूप से मदद करने का आरोप लगाया है, जिनकी वर्तमान में मनी लॉन्ड्रिंग और हवाला लेनदेन सहित गंभीर वित्तीय अपराधों के लिए जाँच चल रही है। अधिकारियों का आरोप है कि इन तकनीकी कंपनियों ने प्रमुख विज्ञापन स्लॉट प्रदान किए और इन ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफार्मों से जुड़ी वेबसाइटों को अपने–अपने प्लेटफार्मों पर दृश्यता प्राप्त करने की अनुमति दी, जिससे इन अवैध गतिविधियों की व्यापक पहुँच में योगदान मिला। यह ताज़ा घटनाक्रम हाल के हफ़्तों में ईडी द्वारा की गई कई कार्रवाइयों के बाद आया है। एजेंसी ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स के एक विशाल नेटवर्क की बारीकी से जाँच कर रही है, जिनमें से कई पर कौशल–आधारित खेलों का भेष धारण करने और वास्तव में अवैध जुए में लिप्त होने का संदेह है। माना जाता है कि इन प्लेटफ़ॉर्म ने करोड़ों रुपये की अवैध धनराशि उत्पन्न की है, जिसे अक्सर पकड़े जाने से बचने के लिए जटिल हवाला चौनलों के ज़रिए भेजा जाता है। पिछले हफ़्ते, ईडी ने इन अवैध सट्टेबाजी ऐप्स को कथित तौर पर बढ़ावा देने के आरोप में 29 लोगों के ख़िलाफ़ मामला दर्ज किया, जिनमें प्रमुख अभिनेता, टेलीविज़न होस्ट और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स शामिल हैं। प्रकाश राज, राणा दग्गुबाती और विजय देवरकोंडा जैसी हस्तियों के नाम प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) में शामिल हैं, जिन पर आरोप है कि उन्हें इन ऐप्स का प्रचार करने के लिए भारी वित्तीय मुआवज़ा मिला। इन मामलों में महादेव बेटिंग ऐप एक हाई–प्रोफाइल वित्तीय घोटाला है, जिसका कुल घोटाला 6,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा का होने का अनुमान है। इस मामले में कई बॉलीवुड हस्तियों से पूछताछ की गई है, जिसमें राजनीतिक रिश्वतखोरी के आरोप भी शामिल हैं, जिसमें ईडी का यह दावा भी शामिल है कि छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को ऐप के प्रमोटरों से 500 करोड़ रुपये से ज़्यादा मिले थे। एक अन्य मामला फेयरप्ले आईपीएल सट्टेबाजी ऐप से जुड़ा है, जिसने आईपीएल मैचों की अवैध रूप से स्ट्रीमिंग की और अनधिकृत ऑनलाइन सट्टेबाजी को बढ़ावा दिया, जिससे टूर्नामेंट के आधिकारिक प्रसारक वायकॉम18 को भारी राजस्व हानि हुई। जाँच में कई भारतीय हस्तियाँ शामिल हैं जिन्होंने इस ऐप का समर्थन किया, जिससे इसे एक बड़ा उपयोगकर्ता आधार प्राप्त करने में मदद मिली, और इसके परिणामस्वरूप कई लोगों की गिरफ़्तारियाँ हुईं, सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्ति ज़ब्त की गई और उनके ख़िलाफ़ आरोपपत्र दायर किए गए।

आयकर विभाग ने कर रिफंड के लिए फर्जी ईमेल के प्रति जनता को आगाह किया

आयकर विभाग ने शुक्रवार को जनता को कर रिफंड से संबंधित फर्जी ईमेल के प्रति आगाह किया और लोगों से संदिग्ध वेब लिंक पर क्लिक न करने को कहा। आयकर विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा है कि वह ईमेल के जरिए कभी भी करदाता से बैंक विवरण या व्यक्तिगत जानकारी नहीं मांगता। उसने करदाताओं को सलाह दी कि वे रिफंड की स्थिति केवल आधिकारिक वेबसाइट (इनकमटैक्स.जीओवी.इन) पर ही सत्यापित करें। आयकर विभाग ने कहा, "आयकर रिफंड के बारे में फर्जी ईमेल चेतावनी! 'आयकर रिफंड के बारे में एक ईमेल प्राप्त हुआ है जिसके लिए तत्काल 'मैन्युअल पुष्टि' की आवश्यकता है।' यह एक फर्जी ईमेल है।

भारतीय चाय की मांग दुनिया में बढ़ी, एफवाई25 में 26 करोड़ किलोग्राम का हुआ निर्यात

नई दिल्ली। भारत के चाय निर्यात में वृद्धि दर्ज हुई है। चार्य बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में भारत से चाय निर्यात पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 2.85 प्रतिशत बढ़ा। देश का चाय निर्यात 250.73 मिलियन किलोग्राम से बढ़कर 257.88 मिलियन किलोग्राम (लगभग 26 करोड़ किलोग्राम) हो गया है।

उत्तर भारत से निर्यात में हुई 8.15 प्रतिशत की वृद्धि

वित्त वर्ष 2025 के दौरान उत्तर भारत से निर्यात की मात्रा 161.20 मिलियन किलोग्राम तक पहुंच गई। यह वित्त वर्ष 2024 के 149.05 मिलियन किलोग्राम से 8.15 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इसी प्रकार, दक्षिण भारत से निर्यात 2025 में 4.92 प्रतिशत घटकर 96.68 मिलियन किलोग्राम रह गया। यह इससे पिछले वित्त वर्ष में 101.68 मिलियन किलोग्राम था।

वहीं प्रति किलोग्राम चाय निर्यात का मूल्य बढ़कर 290.97 रुपये हो गया। यह वित्त वर्ष 2024 के 258.30 रुपये से 12.65 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कैलेंडर वर्ष जनवरी से दिसंबर 2024 के दौरान, चाय निर्यात की मात्रा 256.17 मिलियन किलोग्राम तक पहुंच गई। यह जनवरी से दिसंबर 2023 की पिछली अवधि से 10.57 प्रतिशत की वृद्धि है। बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान उत्तर भारत से निर्यात 10.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 155.49 मिलियन किलोग्राम रहा। वहीं दक्षिण भारत से यह 11.02 प्रतिशत के साथ 100.68 मिलियन किलोग्राम रहा।

क्या मैनचेस्टर में भारत का 89 साल का जीत का सूखा होगा खत्म, गावस्कर–धोनी से आगे निकल पाएंगे गिल ?

मैनचेस्टर। भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में पांच मैचों की सीरीज का चौथा टेस्ट 23 जुलाई से खेला जाएगा। इंग्लिश टीम फिलहाल सीरीज में 2–1 से आगे है। हेडिंग्ले और लॉर्ड्स में मैच जीतने के बाद बेन स्टोक्स एंड कंपनी का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। वहीं, शुभमन गिल के नेतृत्व में युवा टीम इंडिया की नजर वापसी करने पर होगी। हालांकि, भारतीय टीम के लिए वापसी आसान नहीं होगी, क्योंकि उसका सामना इंग्लैंड से एक ऐसे मैदान पर है, जहां हमने कभी कोई टेस्ट नहीं जीता। एक से एक बड़े कप्तानों के नेतृत्व में भारत ने मैनचेस्टर में टेस्ट खेला, लेकिन जीत हासिल नहीं कर सके। अब गिल के पास इतिहास रचने का मौका है। उनके पास सुनील गावस्कर और महेंद्र सिंह धोनी जैसे कप्तानों को पीछे छोड़ने का मौका है। भारत ने अब तक मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में कुल नौ टेस्ट खेले हैं। इसमें से चार टेस्ट इंग्लैंड जीतने में कामयाब रहा है, जबकि पांच टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। टीम इंडिया के पास हार और ड्रॉ के इस सिलसिले को तोड़ने का बेहतरीन मौका है और एक जीत सीरीज को दिलचस्प बना देगी। भारत अगर मैनचेस्टर में 2–2 से बराबरी करने में कामयाब रहता है तो इंग्लैंड के ऊपर दबाव आ जाएगा। फिर सबकुछ 31 जुलाई से केनिंग्टन ओवल में होने वाले पांचवें टेस्ट से तय होगा। टीम इंडिया का कुछ ऐसा ही रिकॉर्ड बर्मिंघम के एजबेस्टन में भी था, लेकिन गिल की टीम इतिहास रचने में कामयाब रही थी। अब मैनचेस्टर में एक बार फिर भारतीय टीम पूरा दमखम लगाने की कोशिश करेगी।

गिल के नेतृत्व में एक युवा टीम इंग्लैंड का दौरा कर रही है। किसी भी क्रिकेट पंडित ने भारत को इस सीरीज के लिए पसंदीदा नहीं बताया था। हालांकि, टीम इंडिया ने अब तक तीनों टेस्ट में चौंकाया है। उसने खुद से अनुभवी इंग्लिश टीम को कड़ी टक्कर दी है। हेडिंग्ले में एक सत्र की गलती की वजह से हार मिली, जबकि लॉर्ड्स में चौथी पारी में बल्लेबाजों की विफलता का नुकसान हुआ। टीम इंडिया में कुछ एक विभाग में कमी दिखी है और टीम मैनेजमेंट चौथे टेस्ट से पहले इसे सही करना चाहेगा। भारत ने अब तक मैनचेस्टर में विजियानग्राम (1936), नवाब पटौदी सीनियर (1946), विजय हजारे (1952), दत्ता गायकवाड़ (1959), अजीत वाडेकर (1971 और 1974), सुनील गावस्कर (1982), मोहम्मद अजहरुद्दीन (1990) और महेंद्र सिंह धोनी (2014) के नेतृत्व में खेला है। गिल इस मैदान पर कप्तानी करने वाले नौवें कप्तान होंगे। भारत ने मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में 1936, 1946, 1971, 1982 और 1990 में टेस्ट ड्रॉ कराया था। वबीं, 1952, 1959, 1974 और 2014 में इंग्लैंड की टीम जीतने में कामयाब रही थी।

गारफील्ड सोबर्स की सूची में शामिल होने के करीब जडेजा, चौथे टेस्ट में हासिल कर सकते हैं उपलब्धि

जडेजा तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने थे जिन्होंने इंग्लैंड में लगातार चार अर्धशतक लगाए हैं। उनसे पहले सौरव गांगुली और ऋषभ पंत ऐसा कर चुके हैं। मौजूदा सीरीज में जडेजा तीन मैचों में 109 के औसत से 327 रन बना चुके हैं जिसमें चार अर्धशतक शामिल हैं।

मैनचेस्टर। भारतीय टीम के अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा सर गारफील्ड सोबर्स की एलीट सूची में शामिल होने के करीब हैं और 58 रन बनाते हैं वह ये उपलब्धि अपने नाम कर लेंगे। जडेजा इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और अब तक लगातार चार अर्धशतक जड़ चुके हैं। लॉर्ड्स टेस्ट की दूसरी पारी में जडेजा अकेले डटे हुए थे और उन्होंने नाबाद 61 रनों की पारी खेली थी।

सोबर्स के बाद ऐसा करने वाले दूसरे खिलाड़ी बनेंगे

जडेजा की शानदार पारी भी भारत को जीत नहीं दिला सकी थी और टीम 22 रन से ये मुकाबला हार गई थी जिससे भारत सीरीज में 1–2 से पीछे हो गया। जडेजा अब सोबर्स की एक विशेष उपलब्धि पर पहुंचने के करीब हैं। वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर सोबर्स एकमात्र बल्लेबाज हैं जिन्होंने इंग्लैंड में छठे या इससे निचले स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए 1000 रन बनाए हैं। सोबर्स ने इस दौरान 16 पारियों में 84.38 के औसत से 1097 रन बनाए हैं जिसमें चार शतक और पांच अर्धशतक शामिल है। दूसरे स्थान पर जडेजा हैं जिन्होंने अब तक 27 पारियों में 40.95 के औसत से 942 टेस्ट रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं। वह इंग्लैंड में 1000 टेस्ट रन पूरे करने और सोबर्स की एलीट सूची में शामिल होने से 58 रन दूर हैं।

इंग्लैंड में लगातार चार पचासा लगाने वाले तीसरे भारतीय

इससे पहले, जडेजा तीसरे भारतीय बल्लेबाज बने थे जिन्होंने इंग्लैंड में लगातार चार अर्धशतक लगाए हैं। उनसे पहले सौरव गांगुली और ऋषभ पंत ऐसा कर चुके हैं। मौजूदा सीरीज में जडेजा तीन मैचों में 109 के औसत से 327 रन बना चुके हैं जिसमें चार अर्धशतक शामिल हैं। जडेजा निचले क्रम में अपनी बखूबी निभा रहे हैं। जडेजा का योगदान भारत के लिए महत्वपूर्ण रहा है। जडेजा अब 23 जुलाई से मैनचेस्टर में होने वाले चौथे टेस्ट मैच में भी इस लय को बरकरार रखने उतरेंगे।

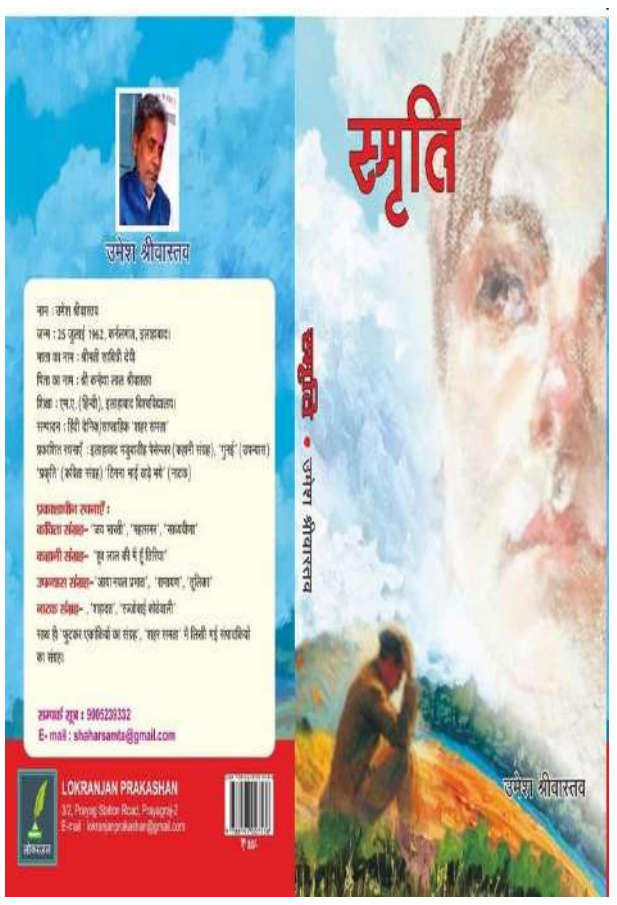

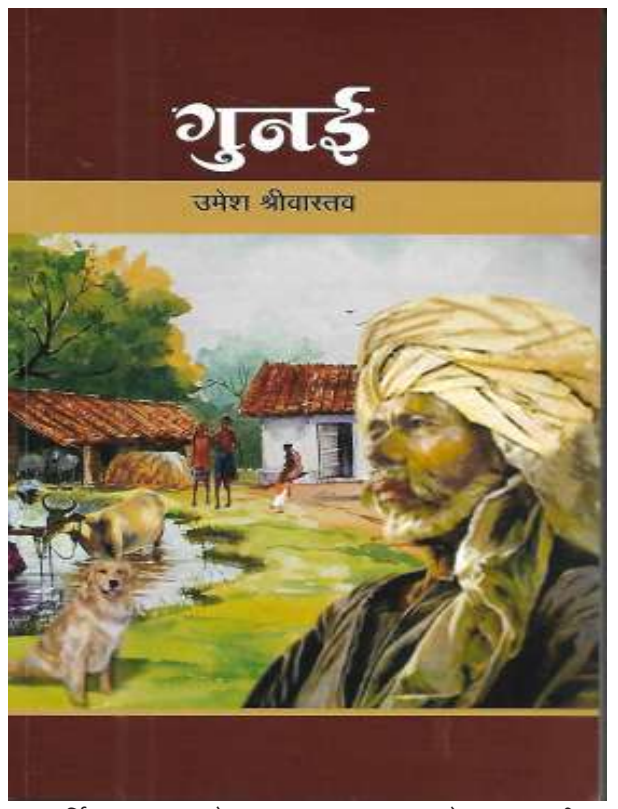

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

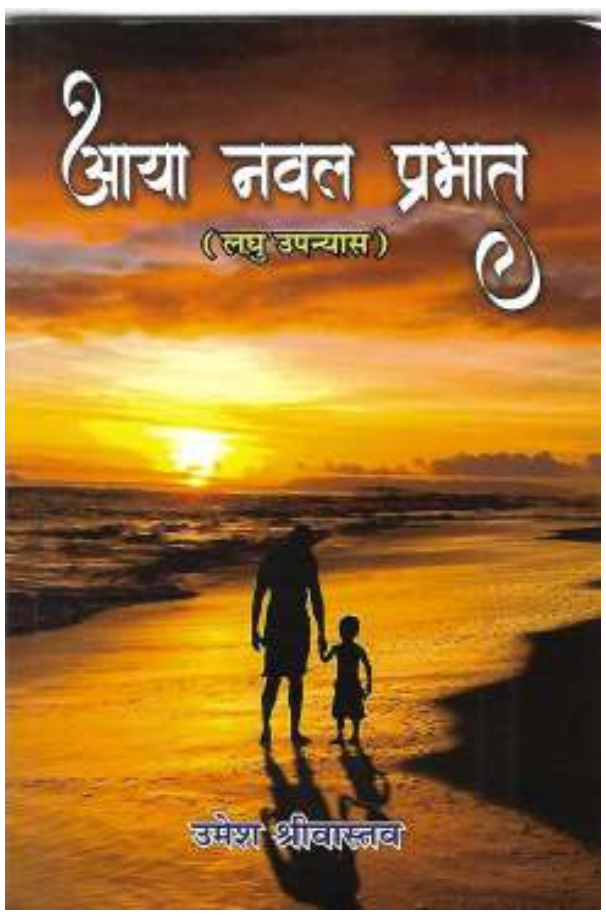

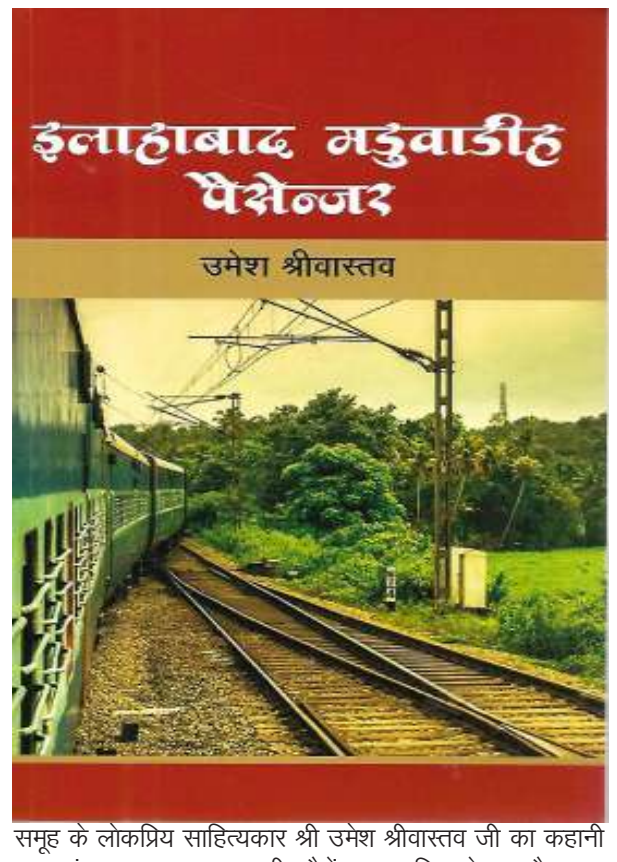

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

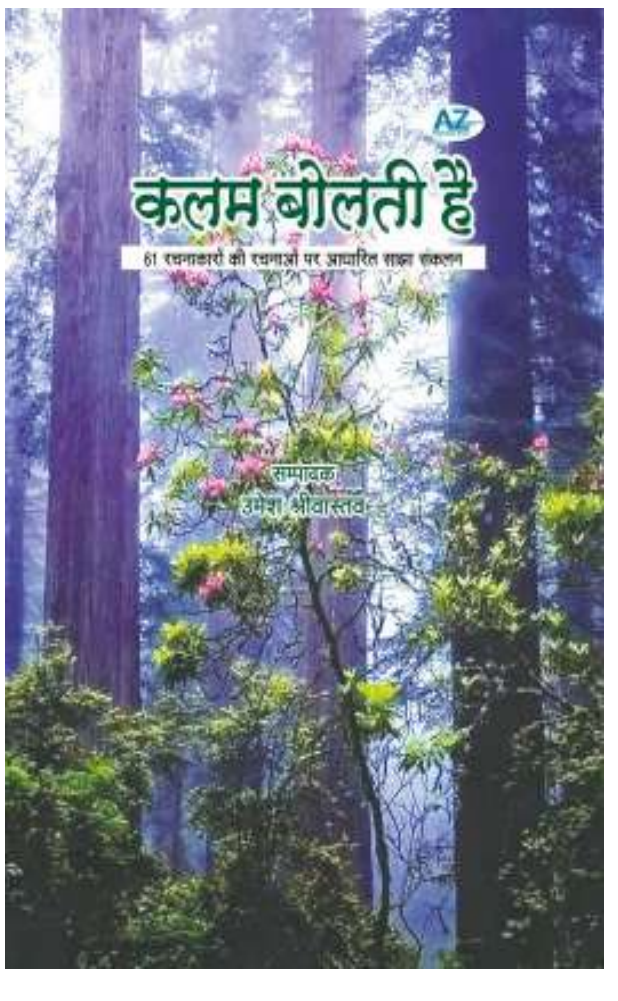

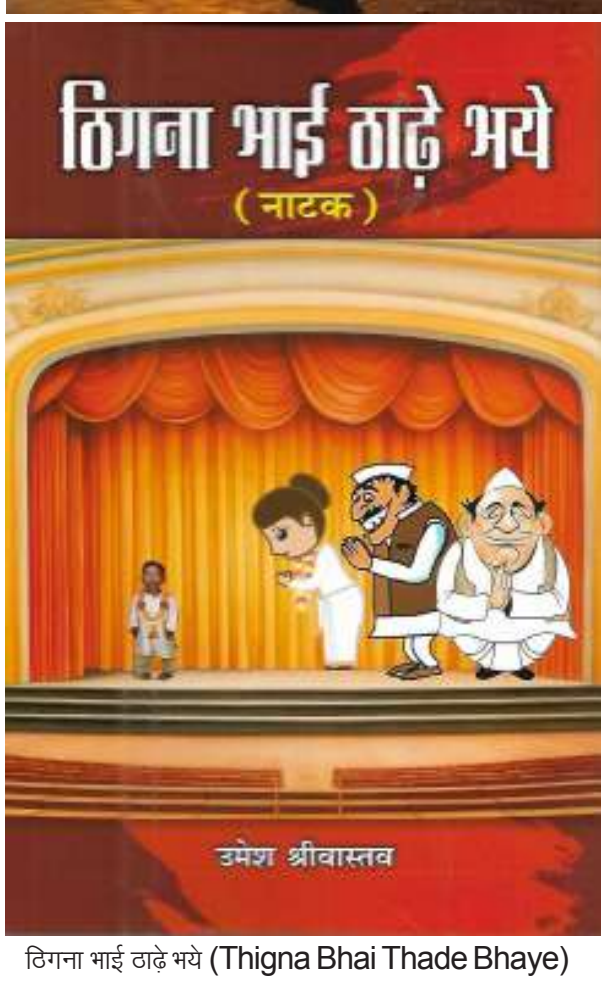

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नया दावा, भारत–पाकिस्तान तनाव के दौरान 5 जेट मार गिराए गए...

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि मई में भारत–पाकिस्तान के बीच हुई शत्रुता के दौरान लगभग 4–5 लड़ाकू विमान मार गिराए गए थे। साथ ही, उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने व्यापार के नाम पर दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच युद्धविराम में मध्यस्थता की थी। हालांकि, व्हाइट हाउस में कुछ रिपब्लिकन सांसदों के साथ रात्रिभोज के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह टिप्पणी की, लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये विमान भारत के थे या पाकिस्तान के। डोनाल्ड ट्रंप ने यह बयान दो परमाणु संपन्न पड़ोसियों के बीच लगभग युद्ध की स्थिति को शांत करने में अपने प्रशासन की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए दिया। पांच विमानों को मार गिराए जाने के ट्रंप के विशिष्ट दावे का समर्थन करने वाली कोई आधिकारिक पुष्टि या सबूत नहीं है। डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में कुछ रिपब्लिकन अमेरिकी सांसदों के साथ एक रात्रिभोज में कहा हमने कई युद्ध रोके। और ये गंभीर युद्ध थे, भारत और पाकिस्तान, जो चल रहे थे। वहाँ से विमान गिराए जा रहे थे। मुझे लगता है कि वास्तव में पाँच जेट मार गिराए गए थे। ये दो गंभीर परमाणु संपन्न देश हैं, और वे एक–दूसरे पर हमला कर रहे थे। आप जानते हैं, यह युद्ध का एक नया रूप प्रतीत होता है। ट्रम्प ने बार–बार भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम का श्रेय लिया है, जिसकी घोषणा उन्होंने 10 मई को सोशल मीडिया पर की थी, जब वाशिंगटन ने दोनों पक्षों के साथ बातचीत की थी। भारत ने ट्रम्प के इस दावे से असहमति जताई है कि यह उनके हस्तक्षेप और व्यापार वार्ता समाप्त करने की उनकी धमकियों के कारण हुआ है। भारत का रुख यह रहा है कि नई दिल्ली और इस्लामाबाद को अपनी समस्याओं को सीधे और बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के सुलझाना चाहिए। ट्रम्प ने भारत–पाकिस्तान युद्धविराम समझौते के लिए एक बार फिर व्यापार समझौते को जिम्मेदार ठहराया, एक ऐसा दावा जिसका भारत ने स्पष्ट रूप से खंडन किया है। लेकिन भारत और पाकिस्तान इस पर बातचीत कर रहे थे, और वे आगे–पीछे हो रहे थे, और यह बढ़ता ही जा रहा था, और हमने इसे व्यापार के ज़रिए सुलझा लिया। हमने कहा, आप लोग एक व्यापार समझौता करना चाहते हैं। अगर आप हथियार, और शायद परमाणु हथियार, दोनों ही बहुत शक्तिशाली परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं, तो हम व्यापार समझौता नहीं कर रहे हैं।

ट्रंप ने युद्धविराम का दावा दोहराया

इस बीच, उसी कार्यक्रम में, ट्रंप ने एक बार फिर कहा कि उनके प्रशासन ने भारत और पाकिस्तान के बीच एक बड़े युद्ध को रोकने में मदद की, और दावा किया कि उन्होंने ष्व्यापार के ज़रिएष तनाव कम किया। यह तब हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक फ़ोन कॉल के दौरान राष्ट्रपति को स्पष्ट रूप से बताया था कि युद्धविराम कराने में अमेरिका की कोई भूमिका नहीं थी और संघर्ष के दौरान व्यापार पर कोई चर्चा नहीं हुई थी। ट्रंप ने कहा, ष्हमने कई युद्ध रोके हैं। और ये गंभीर युद्ध थे। भारत और पाकिस्तान इस पर बातचीत कर रहे थे, और वे आगे–पीछे हो रहे थे, और यह बढ़ता ही जा रहा था, और हमने इसे व्यापार के ज़रिए सुलझा लिया।ष

संक्षिप्त समाचार

अब तो ट्रंप को नोबेल मिल जाएगा? अमेरिका ने इजरायल और सीरिया के बीच करा दिया सीजफायर

अमेरिकी दूत टॉम बैरक ने शनिवार तड़के घोषणा की कि सीरिया के दक्षिणी क्षेत्र में इज़राइल के हस्तक्षेप के बाद इज़राइल और सीरिया के बीच युद्धविराम हो गया है। इस युद्धविराम का तुर्की, जॉर्डन और अन्य पड़ोसी देशों ने कथित तौर पर समर्थन किया है। बैरक ने एक सार्वजनिक आह्वान जारी किया। यह

युद्धविराम दक्षिणी सीरिया के स्वेदा प्रांत में ड्रूज़ मिलिशिया और सुन्नी बेडौइन जनजातियों के बीच तीव्र सांप्रदायिक हिंसा के बाद हुआ है। यह संघर्ष पिछले रविवार को शुरू हुआ और बेडौइन जनजातियों के पक्ष में हस्तक्षेप करने के बाद सरकारी बलों के साथ एक लंबे टकराव का कारण बना, जिसके बाद ड्रूज़ समुदाय की रक्षा के उद्देश्य से इज़राइली हवाई हमले शुरू हो गए। दुखद बात यह है कि केवल चार दिनों की लड़ाई में सैकड़ों लोग मारे गए हैं। ड्रूज़ समूहों के साथ एक अलग सघर्षविराम पर सहमति के बाद सरकारी बलों ने स्वेदा से वापसी कर ली है। इससे पहले इजराइल ने सरकारी लड़ाकों के काफिलों पर दर्जनों हवाई हमले किए और यहां तक कि मध्य दमिश्क में सीरियाई रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पर भी हमला किया। इजराइल का कहना था कि वह ड्रूज़ समुदाय की रक्षा के लिए यह कार्रवाई कर रहा है। दरअसल ड्रूज़ को इजराइल में वफादार अल्पसंख्यक के रूप में देखा जाता है और इस समुदाय के लोग अक्सर इजराइली सेना में सेवाएं देते हैं।

इजरायल ने चलाया दुनिया का सबसे अजीब ऑपरेशन

बैरेक ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक बयान जारी करके कहा कि इजराइल और सीरिया के बीच नए संघर्षविराम का तुर्की, जॉर्डन और अन्य पड़ोसी देशों ने समर्थन किया है और ड्रूज, बेदुइन और सुन्नियों से अपने हथियार डालने और अन्य अल्पसंख्यकों के साथ मिलकर एक नए और एकजुट सीरिया बनाने का आह्वान किया है। हालांकि उन्होंने समझौते पर कोई अन्य जानकारी नहीं दी। संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी के अनुसार, झड़पों के शुरू होने के बाद से लगभग 80,000 लोग विस्थापित हो चुके हैं। पानी, बिजली और दूरसंचार जैसी सुविधाएँ बाधित होने के कारण, स्वेदा और पड़ोसी दारा में मानवीय स्थितियाँ तेज़ी से बिगड़ रही हैं। सड़कें बंद होने और असुरक्षा के कारण सहायता पहुँचाने में बाधा आ रही है, और अस्पतालों में भीड़भाड़ है। संयुक्त राष्ट्र की एक टीम को निकालने की कोशिश करते समय व्हाइट हेल्मेट्स के एक अधिकारी का भी कथित तौर पर अपहरण कर लिया गया था।

रूस का यूक्रेन पर भीषण ड्रोन हमले से मची तबाही, ओडेसा में एक की मौत; कई घायल

कीव। पिछले तीन साल से रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा संघर्ष अभी भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। जहां रूस ने एक बार फिर शनिवार तड़के यूक्रेन पर एक बड़ा हमला किया। इसके तहत 300 से ज्यादा ड्रोन और 30 से अधिक क्रूज मिसाइलें दागी गईं। यूक्रेन के काला सागर तटीय शहर ओडेसा पर 20 से ज्यादा ड्रोन और एक मिसाइल से हमला हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक ऊंची इमारत में आग लगने के बाद पांच लोगों को बचाया गया। ओडेसा के मेयर हेन्नादी त्रुखानोव ने इसकी पुष्टि की। देखा जाए तो यह हमला युद्ध रोकने की कोशिशों को झटका देने वाला माना जा रहा है। रूस के इस भीषण हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि ओडेसा हमले में एक बच्चे समेत छह लोग घायल हुए हैं। साथ ही देश के उत्तर–पूर्वी सुमी इलाके में अहम बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। जेलेंस्की ने उन अंतरराष्ट्रीय नेताओं का आभार जताया जो यूक्रेन की रक्षा क्षमताएं बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। इसमें हथियारों का संयुक्त निर्माण, ड्रोन निर्माण और एयर डिफेंस सिस्टम की आपूर्ति शामिल है। विशेषज्ञों के मुताबिक, रूस अब एक रात में उतने ड्रोन हमले कर रहा है जितने पहले महीनों में किए जाते थे। 8 जुलाई को रूस ने रिकॉर्ड 700 से अधिक ड्रोन दागे थे।

चीन ने दिया भारत को होश उड़ाने वाला ऑफर, नाटो का नक्शा ही बदल जाएगा

अमेरिका समेत पूरी दुनिया हैरान!

चीन के एक डिप्लोमैट ने भारत का नाम लेते हुए एक बड़ा ऐलान किया है। चीनी डिप्लोमैट ने एक पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए भारत को होश उड़ा देने वाला ऑफर दे दिया है। इस ऑफर की टाइमिंग अपने आप में अहम हो जाती है क्योंकि कुछ ही दिन पहले नाटो चीफ ने भारत और चीन दोनों को धमकी दी थी। नाटो चीफ मार्क रूटे ने भारत और चीन को धमकी भरे लहजे में कहा था कि सबसे पहले तो रूस से तेल खरीदना बंद कर दो नहीं तो आप दोनों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे। इसके बाद नाटो चीफ मार्क रूटे ने कहा कि अपने दोस्त पुतिन को फोन मिलाओ और उनसे कहो कि वो यूक्रेन के साथ शांति प्रस्ताव पर साइन कर दें। नहीं तो तीनों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। नाटो चीफ की धमकी का सीधा मतलब ये है कि भारत और चीन को 32 देशों ने धमकी दी है। इस धमकी के बाद भारत और चीन दोनों ने पलटवार किया है। नाटो चीफ को विदेश मंत्रालय ने तगड़ा जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत की ऊर्जा जरूरतें सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। विदेश मंत्रालय ने साफ कहा कि हम किसी भी दोहरे मापदंड को लेकर सावधान हैं। विदेश मंत्रालय ने साफ कहा है कि इस मामले में दोहरा मापदंड नहीं चलेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि हमने इस बारे में खबरें देखी हैं। हम इस पर ध्यान रख रहे हैं। उन्होंने कह कि हमारे लोगों के लिए ऊर्जा जरूरतें पूरी करना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। ये बात समझने वाली है। बता दें कि ये कोई पहली बार नहीं हुआ है कि पश्चिमी देशों या फिर यूरोपियन देशों की तरफ से भारत के ऊपर इस तरह के हमले या कटाक्ष किया जाता रहा है। भारत के शानदार जावब के बाद बारी चीन की आई। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने नाटो को जवाब देने के लिए भारत को ही एक ऑफर दे दिया। चीन ने तो भारत को एक ऐसा ऑफर दे दिया है जो पूरे नाटो को तबाह कर सकता है। चीन ने ऐलान किया है कि वो भारत और रूस के साथ मिलकर उस गठबंधन को दोबारा जिंदा करना चाहता है जो अपने बूते पर पूरे नाटो को बर्बाद कर सकता है। चीन का मानना है कि भारत, रूस और चीन ऐसी तीन महाशक्तियां हैं जो दोबारा एक हो गई तो नाटो का नक्शा बदल सकती हैं। लेकिन इस संगठन को दोबारा जिंदा करने के लिए भारत हां कह दे। इस संगठन का नाम रिक ट्राइका है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि चीन–रूस–भारत सहयोग न केवल तीनों देशों के संबंधित हितों की पूर्ति करता है, बल्कि क्षेत्र और विश्व में शांति, सुरक्षा, स्थिरता और प्रगति को बनाए रखने में भी मदद करता है।

ऐसा ही ऑफर रूस ने भी भारत को दिया था। रूस ने कहा था कि हम भारत और चीन के साथ मिलकर आरआईसी ट्राइका गठबंधन को दोबारा शुरू करना चाहते हैं। रूस के उप विदेश मंत्री आंद्रेई रुदेंको के हवाले से कहा कि मॉस्को आरआईसी प्रारूप की बहाली की उम्मीद करता है और इस मुद्दे पर बीजिंग और नयी दिल्ली के साथ बातचीत कर रहा है। आंद्रेई रुदेंको ने कहा कि यह विषय दोनों देशों के साथ हमारी बातचीत में शामिल है।

छह महीने और जेल में रहेंगे पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल, मार्शल लॉ मामले में लगे अतिरिक्त आरोप

सियोल। मार्शल लॉ का आदेश देने वाले दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल को अब छह महीने और जेल में रहना पड़ेगा। मार्शल लॉ मामले में येओल पर कई और आरोप

तय किए गए हैं। यह आरोप उनको राष्ट्रपति पद से हटाए जाने के लगभग तीन महीने बाद लगाए गए। इसी साल अप्रैल में देश के सांविधानिक न्यायालय ने महाभियोग को बरकरार रखने का फैसला सुनाया था। इसके बाद येओल को पद से हटा दिया गया। सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने जनवरी में उनकी गिरफ्तारी को रद्द कर दिया था। मार्च में हुई रिहाई के समय अदालत ने उन्हें हिरासत में लिए बिना विद्रोह का मुकदमा चलाने की अनुमति दी थी। पिछले दिनों सियोल कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट को मंजूरी देने के बाद यून को वापस जेल भेज दिया था। विशेष अभियोजक चो यून–सुक और उनकी टीम यून के खिलाफ इन आपराधिक मामलों की जांच कर रही है। उनकी टीम ने यून पर सत्ता का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। इससे उनके कुछ कैबिनेट सदस्यों के अधिकार प्रभावित हुए। चो की टीम के एक वरिष्ठ अन्वेषक पार्क जी–यंग ने बताया कि यून ने अपने आपातकालीन मार्शल लॉ को मंजूरी देने के लिए केवल चुनिंदा कैबिनेट सदस्यों को ही बुलाया था, जबकि दक्षिण कोरियाई कानून के अनुसार ऐसे किसी भी कदम के लिए सभी कैबिनेट सदस्यों की मंजूरी जरूरी है। पार्क ने कहा कि यून पर मार्शल लॉ घोषणा की औपचारिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए एक आधिकारिक दस्तावेज को गढ़ने का भी आरोप लगाया गया था, जिसे बाद में उन्होंने नष्ट कर दिया। यून ने कहा कि मार्शल लॉ का आदेश मुख्य उदारवादी विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की दुष्टता के खिलाफ उनकी लड़ाई में जनता का समर्थन हासिल करने की एक हताश कोशिश थी। इसने उनके एजेंडे में बाधा डाली थी। उन्होंने शीर्ष अधिकारियों पर महाभियोग चलाया था और सरकार के बजट विधेयक में कटौती की थी। इससे पहले उन्होंने नेशनल असेंबली को अपराधियों और देश–विरोधी ताकतों का अड्डा बताया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227